दैनिक

प्रातः कालीन

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें:9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 161 मुरादाबाद, 30 September 2023 (Saturday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

डिप्टी सीएम ने अखिलेश पर कसा तंज, बोले- 300 से ज्यादा सीटें जीतेगी भाजपा

मेरठ पहुंचे डिप्टी सीएम ने अखिलेश यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा 300 से ज्यादा सीटें जीतेगी। इस दौरान उन्होंने गठबंधन को लेकर यह बड़ी बात कही।मेरठ पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में सभी 80 लोकसभा सीट जीतने के साथ ही पूरे देश में में 300 से अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि हर वर्ग भाजपा के साथ है। डिप्टी सीएम ने कहा कि जिसे कांग्रेस ने रोके रखा था, अब उस महिला विधेयक को पास कर भाजपा ने महिलाओं को उनका हक दिया है। कहा कि मध्य प्रदेश चुनाव में भाजपा जीत की ओर है और विपक्षियों की जमानत जब्त होगी। बता दें कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को नगर निगम के पार्षदों के प्रशिक्षण में शिरकत करने आए थे। इस दौरान उन्होंने बाईपास स्थित एक होटल में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ये सब बातें कहीं। उन्होंने कहा कि भगवान राम के अस्तित्व को न मानने वाले अब अयोध्या में मत्था टेकने जा रहे हैं। उन्होंने इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुए अखिलेश यादव को निशाने कर लिया। उन्होंने कहा कि पीडीए, डीडीए कुछ नहीं चलेगा। कांग्रेस के महिला आरक्षण के सवाल पर कहा कि कांग्रेस जितने चाहे उतना प्रत्याशियों को टिकट दे। लेकिन जीत तो भाजपा की ही होगी।इसके बाद केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में भाजपा बड़ी जीत दर्ज करने जा रही है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

महिला आरक्षण: राष्ट्रपति मुर्मू की मंजूरी से नारी शक्ति वंदन अधिनियम बना कानून; इन दो बिंदुओं पर फंसा है पेंच

नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू होने के बाद लोकसभा की 543 सीटों में से 181 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। यह आरक्षण 15 साल तक रहेगा। इसके बाद संसद चाहे तो इसकी अवधि बढ़ा सकती है। महिला आरक्षण बिल पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं। जिसके बाद अब यह विधेयक कानून बन गया है। भारत सरकार ने इस संबंध में गजट अधिसूचना जारी की है। बता दें कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक को गुरुवार को उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के हस्ताक्षर के बाद राष्ट्रपति के पास उनके अनुमोदन के लिए भेजा गया था। इसी महीने की शुरुआत में संसद के विशेष सत्र के दौरान संविधान संशोधन विधेयक को लोकसभा और राज्यसभा ने सर्वसम्मति से पारित किया था। इसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से जाना जाएगा।इस विधेयक के जरिये लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है। हालांकि, महिलाओं को इसका लाभ जनगणना और परिसीमन (लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण) की प्रक्रिया के बाद ही मिलेगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू होने के बाद लोकसभा की 543 सीटों में से 181 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। यह आरक्षण 15 साल तक रहेगा। इसके बाद संसद चाहे तो इसकी अवधि बढ़ा सकती है। आरक्षण सीधे चुने जाने वाले जनप्रतिनिधियों के लिए लागू होगा। यानी राज्यसभा और राज्यों की विधान परिषद दायरे में नहीं आएंगी।

लोकसभा और राज्यसभा में इस दिन हुआ था पारित

महिला आरक्षण से संबंधित 128वां संविधान संशोधन विधेयक 21 सितंबर को राज्यसभा में पारित किया गया था। बिल के पक्ष में 214 वोट पड़े, जबकि किसी ने भी बिल के खिलाफ वोट नहीं डाला था। इससे पहले 20 सितंबर को विधेयक को लोकसभा से मंजूरी मिल गई थी। लोकसभा ने भी इस बिल को दो तिहाई बहुमत के साथ पास किया था। इसके पक्ष में 454 और विरोध में दो वोट पड़े थे।

अमल में लाने के लिए पूरी करनी होंगी ये शर्तें

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह कानून भी बन गया है, लेकिन इसको अमल में लाने से पहले दो शर्तों को पूरा करना होगा। ये शर्तें जनगणना और परिसीमन की हैं जिन्हें पूरा करने में कई साल लग सकते हैं। नारी शक्ति वंदन कानून के प्रभावी होने की दो शर्तें रखी गईं हैं। इसके मुताबिक महिला आरक्षण कानून आगामी जनगणना के बाद लागू होगा। कानून बनने के बाद होने वाली जनगणना के बाद आरक्षण लागू करने के लिए नए सिरे से परिसीमन होगा। परिसीमन के आधार पर ही महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित की जाएंगी।

विपक्षी गठबंधन में मतभेद की संभावनाओं पर शरद पवार का बड़ा बयान, बोले- सावधानी बरतना बेहद जरूरी

राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कहा कि वह मुंबई वापस जाने के बाद कांग्रेस और अन्य पार्टियों के साथ बैठक करेंगे, जिसमें आने वाले चुनावों में विवाद न होने के लिए सावधानी बरतने पर बात की जाएगी। राकांपा प्रमुख शरद पवार बारामति में मीडिया से बातचीत करते हुए आने वाले दिनों में इंडिया गठबंधन की पार्टियों के बीच मतभेद होने की संभावनाओं पर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा भविष्य में इंडिया गठबंधन में किसी प्रकार का कोई विवाद न हो इस पर सावधानी बरता जाएगा। दरअसल, कुछ महीनों में राजस्थान और मध्य प्रदेश में चुनाव होने वाला है, ऐसे में इंडिया गठबंधन पार्टियों के बीच कोई विवाद न हो इसके लिए अभी से सावधानी बरतना जरूरी है। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव चुनाव में मोदी सरकार को हराने के लिए दो दर्ज से भी ज्यादा विपक्षी पार्टी इंडिया गटबंधन में शामिल हुई है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के कुछ सीटों पर अपना दावा करने के बाद हुए मतभेद पर सवाल पूछे जाने पर शरद पवार ने कहा, जब चुनाव नजदीक आता है तो, उस दौरान मतभेद की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। हम गठबंधन में तटस्थ नेताओं को भेजकर इस मुद्दे को सुलझाएंगे।% राकांपा प्रमुख ने आगे कहा कि कुछ ही महीनों में चार से पांच राज्यों में चुनाव होने वाला है, जो कि उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन पहले यह देखेगा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश में कैसे सभी पार्टियां एक साथ आती है। मुंबई वापस जाने के बाद मैं कांग्रेस और अन्य पार्टियों के साथ बैठक करूंगा, जिसमें हम आने वाले चुनावों में विवाद न होने के लिए सावधानी बरतेंगें। शरद पवार ने बताया वह यह सब आठ से दस दिनों में करने वाले हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाला है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी बोले- उत्तरी अमेरिका में बढ़े 40-50% दाम, भारत में 5% की आई कमी

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने उम्मीद जताई कि तेल की कीमतो में लगाम लगेगी। उन्होंने यह भी सवाल किया कि पश्चिम बंगाल जैसे गैर-भाजपा शासित राज्य में भाजपा शासित राज्यों की तुलना में पेट्रोल की कीमत 11.80 रुपये ज्यादा है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। उत्तरी अमेरिका में इसकी कीमत में 40 से 50 फीसदी तक की बढ़ोत्तरी देखने को मिली, जबकि भारत में पांच फीसदी तक की गिरावट आई है। उन्होंने आगे कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक कदमों की वजह हो पाया है। पुरी ने कहा कि कि इस समय तेल की बढ़ी कीमतें न केवल रिकवरी को खतरे में डाल रही हैं, बल्कि वास्तव में अन्य गंभीर समस्याओं में योगदान दे रही हैं। पुरी ने कहा, मुझे उम्मीद है तेल की कीमतों पर लगाम लगेगी। ऐसा क्यों है कि पश्चिम बंगाल जैसे गैर-भाजपा शासित राज्य में भाजपा शासित राज्यों की तुलना में पेट्रोल की कीमत 11.80 रुपये ज्यादा है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 118वें वार्षिक सत्र राइजिंग इंडिया- अभूतपूर्व विकास का अमृत काल को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, कृषि क्षेत्र को देखिए... हमने देखा है कि भारत को शुद्ध खाद्य आयातक के रूप में पेश किया जाता था। आज, हम दुनिया का 40 फीसदी चावल निर्यात करते हैं। हम एक मामूली खिलाड़ी से एक प्रमुख खिलाड़ी बन गए हैं। ऐसा कुछ समझदारी भरे नीतिगत बदलावों की वजह से हुआ है। पराली जलाने के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, पहले वे (आम आदमी पार्टी) पड़ोसी राज्य सरकारों को दोष देते थे लेकिन अब पंजाब में उनकी सरकार है।उन्होंने आगे कहा, हम अपने तरीके से मदद कर रहे हैं। हम पराली से एथनॉल बना रहे हैं। कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैरा की ड्रग्स मामले में गिरफ्तारी पर पुरी ने कहा, यह आप और कांग्रेस की मोहब्बत की दुकान है। पंजाब में इंडिया गठबंधन टूट रहा है।

उत्तर प्रदेश के 62 जिलों को सीधा लाभ पहुंचाएगी योगी सरकार, परियोजना के लिए जारी हुए 244 करोड़ रुपए

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही योगी सरकार ने लोगों को सुरक्षित पेयजल पहुंचाने व सिंचाई से जुड़ी परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए वृहद स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं। सीएम की मंशा के अनुरूप प्रदेश में जलशोधन व सिंचाई से जुड़ी परियोजनाओं के लंबित कार्यों को पूर्ण करने के लिए सिंचाई व जल संसाधन विभाग को निर्देश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही योगी सरकार ने लोगों को सुरक्षित पेयजल पहुंचाने व सिंचाई से जुड़ी परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए वृहद स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप, प्रदेश में जलशोधन व सिंचाई से जुड़ी परियोजनाओं के लंबित कार्यों को पूर्ण करने के लिए सिंचाई व जल संसाधन विभाग को निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों को एक विस्तृत कार्ययोजना की शक्ल दी गई है, जिसके क्रियान्वयन के लिए सिंचाई व जल संसाधन विभाग ने कई स्तरों पर प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसी क्रम में प्रदेश के 62 जिलों में 2100 नलकूप निर्माण परियोजना के लंबित कार्यों को गति देने के लिए वर्ष 2023-24 में तीसरी किस्त के तौर पर 244.19 करोड़ रुपए की धनराशि जारी कर दी गई है। अनुमानित लागत 841.98 करोड़ रुपए- उल्लेखनीय है कि इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 841.98 करोड़ रुपए है और नाबार्ड पोषित इस परियोजना के अंतर्गत 410 करोड़ रुपए की प्रावधानित राशि में से तीसरी किस्त के तौर पर मौजूदा धन आवंटन को वित्तीय स्वीकृति के बाद जारी कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, बांदा, सुल्तानपुर, जौनपुर, मेरठ व भदोही समेत प्रदेश के कई क्षेत्रों में नलकूपों के आधुनिकीकरण के लिए 7.16 करोड़ रुपए खर्च कर मरम्मत कार्यों में तेजी लाने की प्रक्रिया को लेकर भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

इन जिलों में होगा नलकूपों का आधुनिकीकरण

प्रदेश में दक्षिण परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तमाम जिलों में 100 से अधिक राजकीय नलकूपों के जल वितरण प्रणाली के आधुनिकीकरण व जर्जर विद्युत उपकरणों की प्रतिस्थापना के मद में सिंचाई व जल संसाधन विभाग बड़ा कदम उठाने जा रही है। परियोजना के लिए 2.99 करोड़ रुपए की धनराशि प्राविधानित है, जिसमें से पहली किस्त के तौर पर 1.49 करोड़ रुपए की धनराशि जारी कर दी गई है। इससे परियोजना के तहत लंबित कार्यों की पूर्ति में मदद मिलेगी।

इनके लिए भी जारी हुई राशि

इसी प्रकार, बांदा में 137, सुल्तानपुर सदर क्षेत्र में 50, जौनपुर के शाहगंज विधानसभा क्षेत्र में 22, मेरठ के नलकूप खंड पूर्व के अंतर्गत 80 राजकीय नलकूप व 14 पंप सेटों की प्रतिस्थापना व भदोही में 69 अदद राजकीय नलकूपों के जल वितरण प्रणाली के आधुनिकीकरण एक करोड़ रुपए की धनराशि जारी कर दी है। इस प्रकार, दक्षिण परिक्षेत्र समेत 5 जिलों में नलकूप के जल वितरण प्रणाली के आधुनिकीकरण व जर्जर विद्युत उपकरणों की प्रतिस्थापना के मद में कुल 7.16 करोड़ रुपए पहली किस्त के तौर पर जारी किया गया है।

बुलंदशहर में किसानों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू, समस्याओं का समाधान करने में असफल सरकार

बुलंदशहर में भारतीय किसान यूनियन ने किसानों की समस्याओं को लेकर अनिश्चितकाली धरना शुरू किया है। यह धरना भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष अरब सिंह के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है। किसान कलेक्ट्रेट के अंदर घुसकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। धरना भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष अरब सिंह के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है। किसान कलेक्ट्रेट के अंदर घुसकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार पहले ही किसानों ने ज्ञापन सौंपकर प्रशासन को आंदोलन की चेतावनी दी थी। यह धरना प्रदर्शन ट्यूबवेलों के बिजली बिल माफ करने, मीटर न लगाने और किसानों के बकाया का भुगतान करने की मांग को लेकर किया जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन पदाधिकारियों का आरोप है

कि कई बार प्रदर्शन के बाद भी सरकार समस्या का समाधान नहीं कर रही है।

संपादकीय Editorial

Football on stage

In June 2021, just before the start of the European Championships, England manager Gareth Southgate wrote a letter addressed to English football fans across the country. It highlighted the importance of football in society, the nature of support for the England team, the role of social media, as well as the rejection of racism in sport and beyond. It was a thoughtful letter from the football manager who led England to fourth place at the 2018 World Cup, the final of Euro 2020 and the quarter-finals of the 2022 World Cup.The address has now become the title of a play by James Graham, who has Success, since This House, has explored political issues on stage. Dear England, directed by Rupert Goold, looks at the changes in and around the England national team since Southgate took over. Through some inventive stage design, including video and sound effects, the show reflects the cultural changes initiated by Southgate. Joseph Fiennes (pictured), who resembles Southgate on stage, plays the England manager. His gentle proclamations and reflective monologues convey the nuances of what Graham has called a "gentle revolution."

The drama follows an arc from Southgate's missed penalty at Euro 96 to England's failures to win penalty-shootouts (to the England–Colombia match at the 2018 World Cup) to the women's national team's briefly mentioned success at the 2022 European Championship. Portrays. Southgate's desire to adapt to the national team culture he inherited, the introduction of a sports psychologist (played by Gina McKee), the reshaping of relationships between players, the difficult apprenticeship of learning to lose – all these elements as The drama is imagined, featuring at the center of the narrative.

Ultimately, it explores the formation of national identity and the role played by football in this process. Southgate's tenure coincides with the Brexit moment, which adds another dimension, comically embodied by caricatures of recent prime ministers from Theresa May to Boris Johnson. But how well does football fare on a theater stage? What can theater bring to the understanding of the relationship between sport and nation? Graham is not the first playwright to transfer a football stadium to the stage. Although it is often easier to represent supporters and address football-related issues through scrutiny of fans, many plays have tried to focus on teams and players, such as Patrick Marber's The Red Lion, a non- -About League Football Club. Plays about football focus on the issues that are brought to life by football rather than the nature of the game itself. Although Dear England involves a penalty shoot-out, it remains in the internal world of the changing room. The drama lies not so much in the epic dimension of the game as in the passion for fashion football and its supporters. In the playwright's words, Marber's play was about belonging and loneliness. Dermot Bolger's two plays about the Irish football team, In High Germany and The Parting Glass, reflect the changing definitions of the nation through support for the national football team. Roy Williams's Sing Yer Heart Out for the Lads explored the workings of general racism. Similarly, by staging Bukayo Saka's penalty miss in the Euro 2020 final, Dear touches on the racist attitudes still prevalent in England football, but prefers to spend more time examining the changes in cultures of masculinity enforced by Southgate. Although many great players, from tennis player Bill Tilden to footballer Eric Cantona, have sought careers on the stage after leaving sports, the power of drama enables us to look beyond sports to the issues that define society. We do. What games are there?

Rape of minor in Ujjain: What is even more criminal is the insensitivity of the society

The painful story of the minor victim of Ujjain that is coming out is shocking. After being brutally raped in the night, a frightened 15-year-old girl comes staggering at 6 in the morning. A brute brutally rapes her at night and runs away, leaving her in a miserable condition. The story of brutal rape of a minor in Ujjain, the city of Mahakal and then the girl's wandering from door to door for help, is a hair-raising one. Politics has also started regarding this, because this disturbing incident has happened before the elections. Here, the opposition is alleging that the honor of women in Madhya Pradesh is at stake, while the ruling party is talking about hanging the culprit. The police is investigating the matter and has also arrested a suspected auto driver. This incident is shameful - Why and how this incident happened will be revealed soon, but the most worrying thing is that why do common people now avoid any victim in such cases instead of coming forward to help them? Why don't they consider it necessary to do even one tenth of the amount of enthusiasm they show in making videos of such inhuman incidents to provide timely relief to the victim or to call the police? And also that if humanity dies from society then what is the meaning of existence of that society? This does not mean that making a video of the incident is a crime. Many times such videos prove helpful to the police in their investigation. But what is the demand of humanity? Making a video of the pain or giving all possible help to the suffering person as per human sensibilities? To protect a victim from rape as much as possible or to take unfair advantage of her helplessness or to remain silent after seeing it happening? This deliberate silence and indifference is a bigger social and moral crime than rape. The painful story of the minor victim of Ujjain that is coming out is shocking. After being brutally raped in the night, a frightened 15-year-old girl comes staggering at 6 in the morning. A brute brutally rapes her at night and runs away, leaving her in a miserable condition. The minor does not even have enough clothes to cover his modesty. Bleeding from the lower part of the body. The crying minor walked for about three hours and covered a distance of 8 kilometers. It passes through more than five hundred houses, two dhabas and a toll booth in two colonies of the city. Knocks on the doors of many houses for help. Some people see him in this shameful condition, but the thought of helping him does not even come to their mind. There might be someone, after thinking about it, they move ahead or even close the half-opened doors of the house. Eventually a kind-hearted employee of an ashram gives him shelter and informs the police. This cruel story that shocks the mind is not only about Ujjain, it is about almost every city. Three months ago, in a narrow street of a dense colony of the country's capital Delhi, a minor was publicly stabbed to death by her lover. People come and go after seeing the murder of that girl, as if a street play is taking place. There is not even a wrinkle on anyone's forehead. Similarly, some people die in accidents on the road. But the passers-by keep watching like spectators or the crowd standing nearby considers themselves blessed to make a video of that 'unique scene' and post it on social media. No one takes the trouble to take the injured to the hospital or save his life in any way, nor does anyone try to inform the dead person's family and the police. Do. Insensitive society and viewpoint: It is indeed a matter of deep regret and introspection of the society that despite being civilized, prosperous and knowledgeable, we are forgetting the basic principles of humanity. This insensitivity of the society is more dangerous than the insensitivity of the police. Today we have completely left the responsibility of maintaining law and order to the police and judicial system. Everyone is probably thinking that the accident, rape, brutality and torture that has happened to someone else will not happen to themselves. So what do I have to do? It will be seen when it is over. For now, live your life peacefully. Whatever happened, with whom it happened and whatever happened, they will read in the newspaper the next day or some social media person will post its video on his WhatsApp group to increase clicks. The devilish pleasure one gets from watching a video of someone's torture while sitting at home or lying on the bed and forwarding it to others is different. Most of us have become psychopaths of this demonic pleasure. No one will ask the viewers of these videos that instead of winning the gold medal for making the video and posting it first, why does that person not have the conscience to help the victim in time? Even if one is awake, why doesn't it translate into action? The big question is why do people show so much indifference towards the victims of accidents like this? Is it because none of the victims is his acquaintance or relative? Or his feelings are only for certain people. As a human being, his sensibilities remain locked in the locker of indifference. In this regard, psychologists say that this behavior of the society is 'bystander effect'. This theory was founded by social psychologists Bibb Laten and John Darley in 1964 following the infamous murder of Kitty Genovese in New York City, USA. Genovese was stabbed to death outside his apartment. She was lying outside her house when the killer stabbed her again.Returned to kill. The neighbors who witnessed the crime did not come to his aid. The murder inspired Latane and Darley to begin a series of experiments where they measured how long it took participants—who were alone or aware of the presence of others—to intervene in an emergency. From his study he concluded that being in a crowd leads to a 'diffusion of responsibility' for the individual. In such a situation, no one considers it their responsibility to help, hence no one comes forward to help. On the contrary, when you are alone, the responsibility of helping is yours alone. Therefore this situation motivates the person to help the victims. Otherwise everyone thinks, what does it concern me? According to psychologists, the second reason for this indifference is the decreasing sympathy in the face of progress in our society. Today everyone is in a blind race, and for him, his own agenda is more important than the need for someone's help. This self-absorbed selfishness is on display everywhere. When there is a lack of connection among people, social attachment and responsibility decreases. You become a spectator and watch the incident happening, but do not consider it necessary to help anyone in the accident. Another major reason behind this mentality is the fear of police harassment. Usually, a question arises in the mind of the person present as a spectator of the accident that by helping the victim, will I get into some trouble? However, following the direction of the Supreme Court, the Center has made rules to protect good people from getting harassed in such cases. But most of them are not aware of it and even if they are, they want to avoid getting into any trouble, whereas helping the victim is both human and national service. But we have both lack and ignorance of this positive thinking.

Fair share of gender justice

Like every year, this year also International Women's Day was celebrated on 8 March. It would be recalled that an article on the subject of status of women and related issues had earlier appeared in this column on 9 and 16 January 2020. Given the importance of the subject, and also in view of the passage into law by Parliament of the Women's Reservation Bill 2023 on September 21, 2023, it was felt that the subject should be revisited. Although women constitute half of the world's population, they still face discrimination in many areas such as the workplace, health care and education, in addition to facing challenges such as physical and sexual violence. They are also underrepresented in most decision-making bodies and in positions of economic power, and they earn less than men for similar work. In many countries of the world, girls are more likely to be out of school than boys. The status of women is a term that describes their position, both in absolute terms and also relative to men. Empowerment is a related term, which focuses on the degree of control women have over their own lives, the environment, and the lives of those in their care, such as their children. The status of women around the world has been a topic of serious discussion for many years. It covers various burning issues related to women, such as women's education, maternal health, economic and social empowerment of women and the role of women in family, community, politics and nation building. Around the world, various social norms, in one form or another, deny women the right to education, health services, economic opportunities and political participation. Gender inequality hinders the progress of environmental sustainability, financial sustainability, global health and human rights and is the primary cause of hunger and poverty. The main policy-making body on issues related to the status and empowerment of women for the entire world, the Commission on the Status of Women (CSW), which devotes itself exclusively to the advancement of gender equality and women's interests. As part of the United Nations Organization (UNO), it works to promote the political, economic, civil, social and educational rights of women. The status of women is a term that describes their position, in absolute In terms of appearance and also relative to men. Empowerment is a related term, which focuses on the degree of control women have over their own lives, the environment, and the lives of those in their care, such as their children. The status of women around the world has been a topic of serious discussion for many years. It covers various burning issues related to women, such as women's education, maternal health, economic and social empowerment of women and the role of women in family, community, politics and nation building. Around the world, various social norms, in one form or another, deny women the right to education, health services, economic opportunities and political participation. Gender inequality hinders the progress of environmental sustainability, financial sustainability, global health and human rights and is the primary cause of hunger and poverty. The main policy-making body on issues related to the status and empowerment of women for the entire world, the Commission on the Status of Women (CSW), which devotes itself exclusively to the advancement of gender equality and women's interests. As part of the United Nations Organization (UNO), it works to promote the political, economic, civil, social and educational rights of women. The phenomenon of gender inequality, depriving women of their rightful place in the home and society Apart from doing so, it has adverse effects overall and, in the long run, may impact matters such as environmental sustainability, financial stability, global health and human rights. And become the primary cause of hunger and poverty. Despite many visionary and aggressive steps taken in many countries of the world over the past several decades, no country can yet claim to have achieved substantial and effective gender equality. Many challenges remain for women in the new millennium. Any visible change is possible only if political commitment is achieved and adequate legal and policy frameworks are put in place to provide equal opportunities to women and men. Recognizing the fact that gender equality is in the interests of men as well as women and is a prerequisite for genuine democracy.

रजनी सक्सेना बनीं कायस्थ महासभा की महानगर अध्यक्ष

मुरादाबाद - महिला प्रकोष्ठ की महानगर अध्यक्ष बनने पर रजनी सक्सेना को नियुक्ति पत्र देते अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप सक्सेना व अन्य पदाधिकारी। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की ओर से रजनी सक्सेना को महिला प्रकोष्ठ की महानगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उनके आवास पर रजनी के आवास पर जाकर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप सक्सेना आदि ने नियुक्ति पत्र दिया। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि महासभा का निरंतर विस्तार हो रहा है। जो पदाधिकारी सक्रिय नहीं हैं उनको पद से हटा कर नई नियुक्ति की जा रही है। उन्होंने बताया कि दो अक्टूबर को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लालबहादुर शास्त्री की जयंती मनाई जाएगी। दीपावली के बाद चित्रगुप्त जयंती भी धूमधाम से मनेगी। इस दौरान नीतू सक्सेना, दीपक सक्सेना, मेजर सुदेश भटनागर, अनिल सक्सेना, रजनी सक्सेना, मोनू भटनागर, नीता भटनागर आदि उपस्थित रहे।

अधिवक्ता भूपसिंह के निधन पर जताया शोक

मुरादाबाद। दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता भूप सिंह सैनी के निधन पर शोक जताया गया। एसोसिएशन भवन में शोकसभा में अधिवक्ताओं ने कहा कि भूप सिंह सैनी के निधन से अपूरणीय क्षति हुई है। उनके निधन पर अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। शोकसभा की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार सक्सेना और संचालन संयुक्त सचिव विनीत भटनागर ने किया। शोक जताने वालों में कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य सुरेश चंद्र गुप्ता, सुनील सक्सेना, पारूल अग्रवाल, राम मोहन श्रीवास्तव, परमाल सिंह, अभिषेक भटनागर, प्रभात गोयल, अनिल भारती, अंजार हुसैन आदि शामिल रहे।

युवती का अश्लील वीडियो बनाया, वायरल करने की धमकी देकर किया दुष्कर्म, अब लगातार कर रहा ब्लैकमेल

मुरादाबाद-पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसी बीच उसने मोबाइल से वीडियो भी बना ली थी। इसे वायरल करने की धमकी देकर शारीरिक और आर्थिक शोषण भी किया। सिविल लाइंस क्षेत्र में रहने वाली एक युवती ने युवक पर दुष्कर्म करने और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। 23 वर्षीय पीड़ित युवती ने बताया कि सिविल लाइंस के चक्कर की मिलक निवासी सलीम (27) ने उसे अपने प्रेमजाल में फंसा लिया था। आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसी दौरान आरोपी ने मोबाइल से वीडियो भी बना ली थी। इस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर आरोपी ने उसका शारीरिक और आर्थिक शोषण किया। युवती गर्भवती हुई तो आरोपी ने जबरन उसका गर्भपात करा दिया। आरोप है कि सलीम ने उसे धमकी दी है कि वह उसकी हत्या कर देगा। पुलिस कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

किशोरी से छेड़खानी, आरोपी गिरफ्तार

गजरौला बाजार से समान खरीद कर घर लौट रही किशोरी से युवक ने छेड़खानी कर दी। विरोध करने पर उसके साथ गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। जातिसूचक शब्द कहे। किशोरी के पिता की शिकायत पर केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला नगर के एक मोहल्ले का है। मोहल्ले की 13 वर्षीय किशोरी बुधवार की शाम साप्ताहिक बुध बाजार से खरीदारी करने गई थी। वह बाजार से खरीदारी कर घर से लौट रही थी। आरोप है कि मोहल्ले का युवक उसका पीछा करने लगा। जिसका विरोध करने पर उसके साथ गाली गलौज की। जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। जबरदस्ती फोन नंबर देने लगा। घर पहुंची किशोरी ने परिजनों को आप बीती सुनाई। परिजन किशोरी को लेकर थाने पहुंचे और पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने आरोपी युवक विकास के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सीओ श्वेताभ भास्कर ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। न्यायालय में पेश किया जाएगा।

थाने से आरोपी को छुड़ाने के लिए बन गए पुलिस, आरोपी के परिवार से वसूले 80 हजार, एक आरोपी गिरफ्तार

मुरादाबाद-पुलिस ने चोरी करने के आरोप में एक युवक को पकड़ा था। इस बीच दो लोगों ने उसके परिजनों से पुलिस बनकर उसे छुड़ाने के लिए 80 हजार रुपये वसूल कर लिए थे। जब आरोपी को जेल भेजा गया तो परिजनों ने हंगामा कर दिया। इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। भोजपुर थाने से चोरी के आरोपी को छुड़ाने के नाम पर उसके परिवार से दो युवकों ने 80 हजार रुपये वसूल लिए। पुलिस ने आरोपी को जेल भेजवा तो परिजनों ने हंगामा कर दिया। पुलिस ने 80 हजार रुपये वसूलने वाले दोनों युवकों पर केस दर्ज कर एक को गिरफ्तार कर लिया है। भोजपुर थाना क्षेत्र के धर्मपुर आगा निवासी अलीहसन उर्फ भूरा की तहरीर पर पुलिस ने भगतपुर के कोटा नगला गांव निवासी कासिम और भोजपुर के पीपलसाना निवासी मोहम्मद मोहसिन उर्फ मुन्ना के खिलाफ केस दर्ज किया है। जिसमें उसने बताया कि उसके भाई राजा बाबू को पुलिस चोरी के शक में पूछताछ के लिए थाने ले गई थी।पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे छोड़ दिया था। इसके बाद मोहसिन और शकील ने उसे कॉल कर बताया कि हमने तुम्हारे भाई को थाने से छुड़वा दिया है। आरोप है कि उन्होंने धमकी दी कि यदि 80 हजार रुपये नहीं दिए तो जान से मार देंगे। अली हसन का कहना है कि पुलिस डर दिखाकर 21 सितंबर की रात करीब 8:30 बजे आरोपी मोहम्मद मोहसिन उर्फ मुन्ना उसके घर आया और 80 हजार रुपये लेकर चला गया लेकिन बुधवार को भोजपुर पुलिस ने आरोपी राजा बाबू को चोरी के मामले में जेल भेज दिया। अली हसन और उसके परिवार ने थाने पहुंचकर पुलिस से शिकायत की कि वह तो 80 हजार रुपये दे चुके हैं। फिर उसके राज बाबू को जेल क्यों भेजा गया है। एसपी देहात संदीप कुमार मीना ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी कासिम और मोहम्मद मोहसिन उर्फ मुन्ना के खिलाफ रंगदारी मांगने और धमकी देने का केस दर्ज किया गया है। एक आरोपी मोहम्मद मोहसिन उर्फ मुन्ना को गिरफ्तार करने के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

नगर निगम के सामने एजेंसी से 5 करोड़ जुर्माना वसूलने की चुनौती, 2 लाख घरों व प्रतिष्ठानों में लग रहा स्मार्ट मीटर

मुरादाबाद-महानगर में सुचारू जलापूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ कर पानी की बर्बादी रोकने के लिए स्मार्ट सिटी मिशन की परियोजना में दो चरण में 12 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से कार्य चल रहा है। इस कार्य से जितना पानी खर्च होगा उसकी बिलिंग कर जलकल विभाग की ओर से वसूला जाएगा। लेकिन, जलापूर्ति के लिए बिछाई गई पाइपलाइन में रोड कटिंग कर छोड़ने वाली एजेंसी से 5 करोड़ वसूलने में गंभीरता नहीं है।नगर निगम की बोर्ड बैठक में इस बार 2 लाख से अधिक घरों व प्रतिष्ठानों में लग रहे स्मार्ट मीटर के माध्यम से जलकर वसूली पर जोर देकर निगम की आय बढ़ाने का बजट स्वीकृत किया गया है। लेकिन, स्कॉडा परियोजना में पानी की बर्बादी रोकने की पहल प्रथम चरण में 10.78 करोड़ और दूसरे चरण में 1.97 करोड़ रुपये से हुई है। लेकिन, जलापूर्ति कनेक्शन देने के लिए पाइपलाइन बिछाने के लिए जलनिगम की ओर से कराए गए कार्य में कार्यदायी संस्था के द्वारा रोड कटिंग कर मरम्मत न करने के चलते 5 करोड़ रुपये जुर्माने के रूप में लगा था। लेकिन, निगम प्रशासन इसे एक साल में भी वसूल नहीं पाया। पिछले वित्तीय वर्ष में केवल 91,000 रुपये वसूले गए। ब्याज मिलाकर 5 करोड़ रुपये वसूलने की चुनौती बरकरार है। नगर आयुक्त संजय चौहान का कहना है कि स्मार्ट सिटी मिशन की ओर से स्कॉडा के तहत दो चरण में महानगर के 2 लाख से अधिक घरों व प्रतिष्ठानों में अब तक पेयजल कनेक्शन दिया जा चुका है। स्मार्ट मीटर लग रहे हैं। इससे पानी की बर्बादी रुकेगी।

2 लाख घरों व प्रतिष्ठानों में लग रहा स्मार्ट मीटर

जलापूर्ति व्यवस्था सुधार कर पानी की खपत के अनुसार बिलिंग कर जलकर वसूली बढ़ाने के लिए महानगर के 70 वार्डों में 2 लाख से अधिक घरों व प्रतिष्ठानों में मीटर लग रहा है। इसके कनेक्शन देने में खर्च को भी उपभोक्ताओं से लिया जा रहा है। लेकिन, रोड कटिंग करने वाली एजेंसी पर सख्ती करने को ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। इस वित्तीय वर्ष में 33 लाख रुपये जल मूल्य वसूल कर निगम की आय बढ़ाने का पक्ष भी बजट में रखा गया है। जिसे निगम बोर्ड से सर्वसम्मति से मंजूरी मिल चुकी है।

इंस्पेक्टर उषा मलिक को कोतवाली का प्रभार, मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद एसएसपी ने दिए आदेश

मुरादाबाद-एसएसपी ने कोतवाली प्रभारी रहे मनीष सक्सेना को कोतवाली से हटाकर अपराध शाखा में भेज दिया। उनकी जगह बिलारी में एक साल से तैनात रहीं इंस्पेक्टर उषा मलिक को नया प्रभारी बनाया है। मूलरूप से बागपत निवासी उषा मलिक 2005 बैच की सब इंस्पेक्टर हैं। एसएसपी हेमराज मीना ने महिला इंस्पेक्टर उषा मलिक को नगर कोतवाली का नया प्रभारी बनाया है। अब तक वह बिलारी थाने में क्राइम इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थीं। तीन दिन पहले वर्चुअल बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी जनपदों के पुलिस कप्तानों को निर्देश दिए थे कि महिला थाने के अलावा एक अन्य थाने की प्रभारी भी महिला इंस्पेक्टर बनाई जाएं। एसएसपी ने बृहस्पतिवार रात कोतवाली प्रभारी रहे मनीष सक्सेना को कोतवाली से हटाकर अपराध शाखा में भेज दिया। उनकी जगह बिलारी में एक साल से तैनात रहीं इंस्पेक्टर उषा मलिक को कोतवाली का नया प्रभारी बना दिया। मूलरूप से बागपत निवासी उषा मलिक 2005 बैच की सब इंस्पेक्टर हैं। इसके बाद वह 2018 में पदोन्नत होकर इंस्पेक्टर बन गई थीं। उषा मलिक का कहना है कि क्राइम कंट्रोल करना और महिला अपराध पर त्वरित कार्रवाई करना उनकी प्राथमिकता रहेगा। इससे पहले जिले में पाकबड़ा थाने में इंस्पेक्टर रजनी द्विवेदी करीब एक साल तक प्रभारी रह चुकी हैं। वर्तमान में महिला थाने की प्रभारी दीपा त्यागी हैं। जनपद के बीस थानों में से दो थानों में अब महिला इंस्पेक्टरों के हाथ में कमान दी गई है। इसके पीछे मुख्यमंत्री की मंशा है कि महिला अपराध के मामले में तुरंत कार्रवाई की जाए। जिससे पीड़िता की समस्याओं को सुना जा सके।

ट्रेनी डीएसपी से साइबर ठगों ने दो लाख ठगे

मुरादाबाद-ट्रेनी डीएसपी ऐश्वर्या उपाध्याय डॉ. बीआर आंबेडकर पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण ले रही हैं। उन्होंने सिविल लाइंस थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 18 सितंबर को उनका एक कोरियर प्रोफेशनल कोरियर सर्विस से आना था लेकिन, समय पर कोरियर नहीं पहुंचा। इसके बाद उन्होंने गूगल से कोरियर कंपनी का नंबर सर्च किया। तब कॉल रिसीव करने वाले व्यक्ति ने ऐश्वर्या उपाध्याय को बताया कि पूरा पता नहीं होने के कारण कोरियर डिलीवरी होल्ड कर दी गई है। इसी दौरान आरोपी एक ईमेल आईडी से एक टेक्स्ट मैसेज भेजकर कुछ लिंक भेजे। इसके बाद मोबाइल पर लिंक को कॉपी कर भेजने के लिए कहा। जिसमें ऐश्वर्या ने मैसेज को फारवर्ड किया। साथ ही एक मोबाइल नंबर से भी कुछ लिंक टेक्स्ट मैसेज पर प्राप्त हुए। जिसमें लिंक के माध्यम से 2 रुपये को यूपीआई के जरिए ट्रांसफर करा लिए। डिप्टी एसपी ने बताया कि इसके बाद उनके खाते से दो बार में 96,355 रुपये और एक बार में 3500 रुपये के अलावा दूसरे बैंक खाते से 95,328 रुपये किसी अन्य खाते में ट्रांसफर कर लिए। उनके मोबाइल पर मैसेज आया तो उन्हें साइबर ठगी की जानकारी हुई।

अभी इंतजार, 2025 तक सुदृढ़ होगी बदहाल विद्युत व्यवस्था

मुरादाबाद-रिवैम्प योजना में 400 करोड़ की धनराशि में से 60 करोड़ से होने हैं महानगर में कार्य, जहां-तहां लगे ट्रांसफार्मर होंगे व्यवस्थित महानगर में स्मार्ट सिटी के तहत रिवैम्प योजना में 60 करोड़ रुपये से हो रहे सुदृढ़ीकरण कार्य के पूरा होने को 2025 तक इंतजार करना होगा। इस योजना के कार्य में तेजी लाने के लिए अब विधान परिषद की विद्युत समिति के सभापति ने खुद रुचि ली है। वह बिजली विभाग और स्मार्ट सिटी के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक करेंगे। जिले में रिवैम्प योजना में 400 करोड़ रुपये से बिजली की जर्जर व्यवस्था को सुदृढ़ करने का काम चल रहा है। महानगर में स्मार्ट सिटी परियोजना में 60 करोड़ रुपये से जर्जर व झूलते तारों, खुले में जहां तहां लगे ट्रांसफार्मरों को व्यवस्थित किया जाएगा। लेकिन, यह कार्य 2025 तक पूरा हो पाएगा। समय सीमा से पहले इस काम की प्रगति बढ़ाने में अधिकारियों की सुस्ती देखकर विधान परिषद में विद्युत समिति के सभापति डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त ने स्मार्ट सिटी और बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक के लिए बुलाया है। उन्होंने महानगर में कार्य को तेजी लाने में पार्षदों से भी रुचि लेकर अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान कराने में सहयोग करने के लिए कहा है। डॉ. जयपाल सिंह ने बताया कि महानगर में 60 करोड़ रुपये से जर्जर तार, खंभा व ट्रांसफार्मर बदलना, क्षमता वृद्धि का काम होना है। उनका कहना है कि पार्षदों और अधिकारियों के साथ बैठक कर वह महानगर के बिजली व्यवस्था में कमियों के सुधार कराएंगे।

हाईटेंशन लाइन से हो रही पशु और जन हानि रुकेगी

सुचारू बिजली आपूर्ति में बाधक बन रहे लटकते हाईटेंशन लाइटों से जन व पशु हानि रोकने में लापरवाही पर महानगर के कांग्रेस पार्षद नदीम ने भी सभापति का ध्यान खींचा है। स्मार्ट सिटी मिशन के माध्यम से महानगर की बिजली व्यवस्था को सुधारने में मदद की जा रही है। महानगर के जर्जर व झूलते तार, जगह जगह ट्रांसफार्मर को सुव्यवस्थित कराने, तारों का भूमिगतीकरण जल्द होना चाहिए। इसमें जो भी तकनीकी सहयोग होगा दिलाएंगे।-संजय चौहान, नगर आयुक्त

फाल्ट और ट्रिपिंग से बढ़ रही बिजली की समस्या, नागरिक हो रहे परेशान

मुरादाबाद। गर्मी से जहां लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं बिजली भी लोगों को खासा परेशान कर रही है। कभी जर्जर तार बदलने की वजह से आपूर्ति को बंद करना पड़ता है तो कभी फाल्ट के चलते बिजली सप्लाई बंद रहती है। जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ता है। आशियाना प्रथम में लाइन की मरम्मत की वजह से करीब ढाई घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही। इससे उपभोक्ताओं को दिक्कत हुई।

विश्व हृदय दिवस पर जिला अस्पताल में लगा शिविर, 150 मरीजों की जांच कर दिया परामर्श

मुरादाबाद-विश्व हृदय दिवस पर शुक्रवार को जिला अस्पताल में शिविर लगा। इसका उद्घाटन अस्पताल की प्रमुख अधीक्षक डा. संगीता गुप्ता, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. सुनील दोहरे ने की। शिविर में 150 मरीजों की मधुमेह, रक्तचाप, मानसिक स्वास्थ्य, तंबाकू उत्पादों के प्रयोग से नुकसान आदि की जांचकर मरीजों को स्वस्थ रहने के तरीके बताए गए। शिविर में 150 मरीजों की जांच हुई। जिसमें रक्तचाप, मधुमेह, मानसिक बीमारियों के मरीज शामिल रहे। तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की सलाहकार रीमा यादव, पंकज चौहान, दीप्ति यादव, स्टाफ नर्स आस्था प्रकाश, अर्चना त्यागी और श्रद्धा प्रकाश डेटा एंट्री आपरेटर के अलावा राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तारिक अंसारी आदि शामिल रहे।

WWW.KNLSLIVE.COM

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डीएम प्रेम रंजन सिंह ने सीएमओ कार्यालय का किया सामान्य निरिक्षण , जाना सरकारी योजनाओ का हाल

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-जिलाधिकारी प्रेमरंजन सिहं दोपहर बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सामान्य निरीक्षंण हेतु पहुंचे ! उन्होने आज मनाया जाने वाला विश्व ह्रदय दिवस एवं संचारी रोग अभियान तथा सेवा पखवाडा के कार्यक्रम के मद्देनजर सीएमओ डा. उमेश कुमार त्रिपाठी से जानकारी ली ! डीएम प्रेमरंजन सिहं ने सीएमओ कार्यालय में साफ-सफाई को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. उमेश त्रिपाठी को दिऐ ! साथ ही सीएमओ कार्यालय में वर्षो से रखी पुरानी फाइलों को गांधी जंयती तक डिस्पोज करने के लिए संबंधित पटल प्रभारी को भी डीएम ने निर्देश दिऐ ! सीएमओ डा. उमेश कुमार त्रिपाठी ने डीएम को बताया कि पुरानी फ़ाइलो को डिस्पोज करने के बाद नई फाइलों के लिए सीएमओ ऑफिस में ही एक स्टोर बनाया जा रहा है ! सामान्य निरीक्षण के दौरान सीएमओ कार्यालय में कुछ कर्मचारियों की डीएम ने प्रशंसा भी की ! जिन्होने अपने दायित्व को ठीक से निभाया और फाइलों को रखरखाब बेहतर तरीके से रखा ! सामान्स निरीक्षण के दौरान लगभग तीस मिनिट तक जिलाधिकारी प्रेमरंजन सिहं ऑफिस में रहकर सीएमओ डा. उमेश कुमार त्रपाठी व एसीएमओ डा. राममोहन तिवारी से सरकारी योजनाओ की प्रगति का हाल चाल लेकर चले गऐ ! इस दौरान मीडियाकर्मियों को अनावश्यक ऑफिस में न घुसने के लिऐ कार्यालय के मुख्य दरवाजे को बन्द कर दिया गया था ! सामान्य निरीक्षण के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. उमेश कुमार त्रिपाठी सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी जिलाधिकारी को कार्यालय से बाहर तक छोडने आऐ !

लखनऊ विवि: प्रेम प्रसंग और निजी रंजिश को लेकर दो छात्रों में जमकर मारपीट, फूटे सिर, बुलानी पड़ी पुलिस

अक्षय प्रधान एबीवीपी के साथ जुड़ा हुआ है। इस बात की खबर मिलते ही एबीवीपी के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और प्रियांशु मिश्रा को पीटने लगे। प्रियांशु मिश्रा और अक्षय प्रधान दोनों को चोटों आई हैं। लखनऊ विवि में शुक्रवार की दोपहर दो छात्रों के बीच जमकर मारपीट हुई। मारपीट की वजह स्पष्ट तो नहीं हो पाई लेकिन खबरों के अनुसार घटना के पीछे प्रेम प्रसंग और पुरानी रंजिश बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार बीए तृतीय वर्ष का छात्र अक्षय प्रधान कैंटीन में बैठा हुआ था। उसी समय एमए अर्थशास्त्र का छात्र प्रियांशु मिश्रा वहां पहुंच गया। पहले दोनों के बीच बातचीत होनी शुरू हुई। यह बातचीत बाद में मारपीट में बदल गई। लखनऊ विश्वविद्यालय में शुक्रवार छात्र ने आपसी विवाद के चलते कैंटीन में महिला मित्र के साथ बैठ कर लंच कर रहे दूसरे छात्र पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में छात्र बुरी तरह से घायल हो गया। जिसके बाद उसे इलाज के लिए तत्काल बलरामपुर अस्पताल भेज दिया गया। घायल छात्र एबीवीपी का कार्यकर्ता था ऐसे में साथी कार्यकर्ता के साथ मारपीट की सूचना पर छात्र भड़क उठे। जिसके बाद छात्रों की भीड़ ने प्राक्टोरियल कार्यालय पर जमा हो गई और जमकर नारेबाजी करने लगी। प्राक्टोरियल बोर्ड ने मामले को शांत कराने के लिए आरोपी छात्र को प्राक्टर कार्यालय में बंद करवा दिया। छात्रों की भीड़ को उग्र होता देख पुलिस आरोपी छात्र को थाने ले जाने लगी। पुलिस बल के आरोपी छात्र को जीप में बैठाते कार्यकर्ता छात्रों ने आरोपी को जीप से खींचकर उसे पीटना शुरू कर दिया। इस पर किसी तरह उसे बचाकर वहां बाहर ले जाया गया। जानकारी के मुताबिक बीए तीसरे वर्ष का छात्र अक्षय प्रधान अपनी महिला दोस्त के साथ किशोरी कैंटीन में बैठा हुआ था। इतने में एमए पहले वर्ष का छात्र प्रियांशु वहां पर आया और अक्षय के उपर वजनदार चीज से हमला कर दिया। जिसमें वह बुरी तरह से चोटिल हो गया। जिसके बाद साथी छात्रों उसे अस्पताल भेजा और कार्रवाई के लिए प्राक्टोरियल बोर्ड का घेराव कर दिया। साथी छात्र पर हमले पर छात्रों ने आरोपी को कैंपस से निलंबित करते हुए सख्त कार्रवाई करने की मांग की। इस पर प्राक्टोरियल बोर्ड पूरी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। वहीं घायल छात्र की ओर से पुलिस को कार्रवाई के लिए तहरीर दी गई। जिसके आधार पर पुलिस ने मारपीट की धाराओं में आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बड़ी कार्रवाई: बीएचयू अस्पताल में जूनियर डॉक्टरों से मारपीट करने वाले 6 छात्र निलंबित, 5 दिन तक चली थी हड़ताल

बीएचयू अस्पताल में 20 सितंबर की रात जूनियर डॉक्टरों से मारपीट करने के आरोपी छह छात्रों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही एक छात्र के परिसर में प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के सर सुंदरलाल अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में जूनियर डॉक्टरों से मारपीट मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। शुक्रवार को विश्वविद्यालय प्रशासन ने मारपीट के आरोपी छह छात्रों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही एक छात्र के परिसर में प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर स्थायी समिति की सिफारिशों के आधार पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। बीते 20 सितंबर की रात बीएचयू अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में छात्रों ने जूनियर डॉक्टरों संग मारपीट की थी। हमले में पांच जूनियर डॉक्टर घायल हुए थे। 21 सितंबर से हड़ताल पर थे डॉक्टर- मामले को लेकर अगले दिन लंका थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया तो वहीं जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर चले गए। सुरक्षा और कार्रवाई का आश्वासन मिलने पर 26 सितंबर को पांच दिन पुरानी हड़ताल खत्म हुई। शुक्रवार को कुलसचिव कार्यालय (शिक्षण) की ओर से जारी सूचना के अनुसार मारपीट के आरोपी छात्रों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए गठित स्थायी समिति की अनुशंसाओं पर विचार करते हुए कुलपति प्रो. एसके जैन ने छह विद्यार्थियों को तत्काल प्रभाव से विश्वविद्यालय की सभी सुविधाओं से निलंबित करने का आदेश जारी किया है। ये विद्यार्थी जांच पूरी होने तक विश्वविद्यालय की सभी सुविधाओं से निलंबित रहेंगे। इन छात्रों पर हुई कार्रवाई- निलंबित किए गए विद्यार्थियों में सामाजिक विज्ञान संकाय के शोध छात्र रंजीत कुमार यादव, बीए आनर्स का छात्र प्रशांत गिरी, एमए हेरिटेज मैनेजमेंट में सत्यम सिंह, डिप्लोमा इन टूरिज्म मैनेजमेंट का छात्र हर्ष प्रताप सिंह, एमए का छात्र कुलदीप तिवारी और अजय प्रताप सिंह शामिल हैं। समिति की सिफारिशों के आधार पर कुलपति के आदेश पर डिप्लोमा इन टूरिज्म मैनेजमेंट के छात्र अजीत कुमार यादव का विश्वविद्यालय में प्रवेश तत्काल प्रभाव से पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।

बरेली कॉलेज की छात्रा संजना सिंह को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित, सीएम योगी आदित्यनाथ ने दी बधाई

बरेली- एमए की छात्रा संजना सिंह एनएसएस स्वयंसेविका हैं। उन्हें एनएसएस अवार्ड 2021-2022 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संजना को यह पुरस्कार प्रदान किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बरेली कॉलेज की छात्रा संजना सिंह को एनएसएस अवार्ड 2021-2022 से सम्मानित किया है। शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में संजना ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। एमए की छात्रा संजना सिंह एनएसएस स्वयंसेवक हैं। उन्हें यह पुरस्कार पर्यावरण, स्वच्छता, कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार, सड़क सुरक्षा, साइबर क्राइम समेत अन्य सामाजिक सरोकारों के लिए उत्कृष्ट कार्य करने पर मिला है। राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संजना सिंह को बधाई दी है। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा है कि संजना सिंह द्वारा सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणादायक हैं।

परिवार में खुशी का माहौल

बरेली की जन आदर्श कॉलोनी की रहने वाली संजना सिंह के परिवार में खुशी का माहौल है। परिचित और रिश्तेदार उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से बधाइयां दे रहे हैं। संजना के पिता स्वतंत्र सिंह अग्निशमन सेवा में कार्यरत हैं। छात्रा को एनएसएस अवार्ड मिलने पर रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह, कुलसचिव अजय कृष्ण, कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओपी राय ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। छात्रा संजना सिंह का चयन सामाजिक एवं युवा गतिविधियाओं में उत्कृष्ट योगदान स्वयंसेवक श्रेणा वर्ष 2021-2022 के लिए हुआ था। इस साल उत्तर प्रदेश के दो स्वयंसेवकों को यह पुरस्कार मिला है। संजना वर्ष 2019 से लगातार एनएसएस की गतिविधियों में अग्रणी रही हैं। उन्होंने महिलाओं को स्वच्छता, सेनेटरी पैड वितरण में बेहतर कार्य किया। कोरोना काल में भी मास्क वितरण समेत अन्य जन जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

किशोरी कैंटीन बनी बवाल का अड्डा

लखनऊ विश्वविद्यालय की किशोरी कैंटीन अक्सर सुर्खियों में रहती है। आरोप है कि यहां अक्सर बाहरी छात्रों का जमावड़ा रहता है। जिस कारण अक्सर यहां पर विवाद सामने आते रहते हैं। बीते वर्ष भी यहां छात्रों के बीच जमकर खूनी संघर्ष हुआ था। ऐसे में यहां निगरानी की आवश्ययकता है।छात्र के साथ मारपीट की घटना पर आरोपित छात्र के अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है। बाहरी छात्रों की परिसर में उपस्थिति पहले से बंद है। विवाद का क्या कारण रहा इसकी जांच की जा रही है। प्रो. राकेश द्विवेदी प्राक्टर लविवि

यूपी: इमरान मसूद बोले- मुसलमानों के लिए कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प, पार्टी में शामिल होने के दिए संकेत

इमरान मसूद ने कहा कि मुसलमानों के लिए कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है। हालांकि अभी इमरान मसूद ने कांग्रेस ज्वॉइन नहीं की है लेकिन, पार्टी में शामिल होने के संकेत दिए।सहारनपुर के पूर्व विधायक इमरान मसूद ने कहा कि अब मुसलमानों को एकजुट होकर कांग्रेस का समर्थन करना चाहिए। मुसलमानों के लिए कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है। मुजफ्फरनगर में कस्बे के कांग्रेस नेता अब्बास अली खां के आवास पर इमरान मसूद ने कहा कि वर्तमान समय दो विचारधाराओं का रह गया है। एक विकल्प कांग्रेस के साथ है और दूसरा विकल्प भाजपा के साथ है। उन्होंने कहा कि मुसलमान, दलित और ब्राह्मण कांग्रेस के परंपरागत मतदाता रहे हैं। यदि मुसलमान कांग्रेस में वापस लौट आए तो ब्राह्मण, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग भी कांग्रेस में लौट आएगा। अब देश में बदलाव का दौर है और 2024 के चुनाव में बदलाव होना तय है।हालांकि इमरान मसूद अभी तक कांग्रेस में शामिल नहीं हुए हैं, लेकिन उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने के संकेत दिए हैं। इस दौरान शमशुलजमां, कृष्ण अवतार शर्मा, दानिश, राजू, आरिफ आदि मौजूद रहे।

भांजे को दिल दे बैठी मामी: 6 बच्चों को रोते हुए छोड़ गई, तलाश में भटक रहा पति; बोला- नहीं हो रहा यकीन

आगरा के थाना डौकी क्षेत्र के एक गांव से भांजे के साथ 6 बच्चो की मां फरार हो गई। जब वो घर से गई तो पति नहीं था। मासूम बच्चों को उसने अकेला छोड़ा और भांजे का हाथ थाम लिया। पति घर वापस आया तो उसे बच्चे रोते बिलखते मिले। इसके बाद पत्नी की तलाश की, लेकिन वो कहीं नहीं मिली। बच्चों ने जब उसे बताया कि वो किसके साथ गई है तो पति अपने भांजे के घर पहुंचा, लेकिन वे दोनों वहां भी नहीं मिले। प्यार में उम्र की कोई सीमा नहीं होती है। ऐसा ही मामला सामने आया आगरा में। जहां 6 बच्चों की मां अपने ही भांजे के साथ कहीं चली गई। अब उसके मासूम बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं पति भी उसकी तलाश में भटक रहा है। यहां का है मामला - जानकारी के मुताबिक थाना डौकी क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव से 21 सितंबर को 6 बच्चो की मां भांजे के साथ फरार हो गई। वहीं पीड़ित पति ने थाना डौकी तहरीर देते हुए पुलिस को बताया कि 21 सितंबर को वह अपनी रिश्तेदारी में गया था और पत्नी और बच्चे घर पर थे, तभी बल्केश्वर के अनुराग नगर का रहने वाला उसका भांजा सोनू पुत्र चरन सिंह घर आया। भांजा ले गया पत्नी- पीड़ित पति ने बताया कि भांजे ने पत्नी को अपनी बातों में उलझाया और उसे अपने साथ लेकर फरार हो गया। जब वो शाम को घर वापस आया तो बच्चे भूख से रोते-बिलखते हुए मिले। घर में पत्नी नहीं थी। उसने बच्चों से पूछा तो पता चला कि पत्नी सोनू के साथ गई है। वो पत्नी की तलाश करते हुआ सोनू के घर पहुंचा, लेकिन वो घर पर नहीं था। पत्नी के लिए भटक रहा पति - पीड़ित ने बताया कि सोनू के घरवालों ने भी उसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी। वो पिछले 6 दिनों से पत्नी की तलाश कर रहा है, लेकिन उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। वहीं पत्नी के घर न आने की वजह के बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। पीड़ित पति ने थाना डौकी में भांजे सोनू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
KNLSLIVE
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करें
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

पटरी दुकानदारों का उत्पीड़न बंद किया जाए - कुंवर सत्येंद्र पाल सिंह

पटरी दुकानदारों के उत्पीड़न के विरोध में ज्ञापन दिया

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। आज बुंदेलखंड क्रांति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर सत्येंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में बुंदेलखंड क्रांति दल व पटरी दुकानदारों के संयुक्त प्रतिनिधि मंडल ने नगर आयुक्त नगर निगम झांसी के नाम संबोधित ज्ञापन अपर नगर आयुक्त को दिया। बुन्देलखण्ड क्रांति दल के अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि नगर निगम झांसी के अधिकारियों के द्वारा तथा प्रवर्तन दल के द्वारा लगातार बड़ा बाजार झाँसी के पटरी दुकानदारों का उत्पीड़न किया जा रहा है।पटरी दुकानदारों के उत्पीड़न किए जाने पर चिंता व्यक्त की तथा बुंदेलखंड क्रांति दल के प्रतिनिधि मंडल ने चेतावनी दी कि यदि पटरी दुकानदारों का उत्पीड़न बंदना हुआ तो बुंदेलखंड क्रांति दल आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। ज्ञापन देने के पूर्व सभी दुकानदार धरना पर बैठे एवं उत्पीड़न के विरोध में जोरदार नारेबाजी की।पटरी व्यापारियो का पक्ष रखते हुए बुंदेलखंड क्रांति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार सतेंद्र पाल सिंह ने कहा की 2014 में भारत सरकार पथ जीविका संरक्षण कानून बनाया था तथा 10 मई 2017 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पथ विक्रेता नियमावली लागू की गई थी जिसमें यह स्पष्ट है की किसी पटरी दुकानदार को ताकत के बल पर विस्थापित या बेदखल नहीं किया जा सकता और जिन स्थानों पर 50 साल से ज्यादा से पटरी व्यापारी व्यापार करते चले आ रहे हैं वह बाजार विरासत बाजार घोषित किए जाएंगे और इन पटरी दुकानदारों को उनके स्थान से नहीं हटाया जाएगा , लेकिन नगर निगम के अधिकारियों द्वारा और नगर निगम के प्रवर्तन दल जिसमें रिटायर्ड फौजी हैं लगातार पटरी दुकानदारों का उत्पीड़न किया जा रहा है।नगर निगम झांसी को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी 10 मई 2017 को लागू पथ विक्रेता नियमावली का पालन करना चाहिए और यदि विस्थापन जरूरी हो तो नियमावली के अनुसार पहले उक्त दुकानदारों के समायोजन की व्यवस्था करनी चाहिए और वह समायोजन भी ऐसा होना चाहिए कि पटरी दुकानदार के आर्थिक व सामाजिक जीवन पर प्रभाव ना पड़े। किसी भी पटरी दुकानदार को नियम विरुद्ध नहीं हटाया जाना चाहिए।अपर नगर आयुक्त झांसी ने सभी बातों को सुना तथा कहा की सरकार की संवेदना पटरी दुकानदारों के साथ है। किसी भी दुकानदार का उत्पीड़न नहीं किया जाएगा इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। आज के प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से बुंदेलखंड क्रांति दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरी नारायण श्रीवास्तव , राष्ट्रीय सचिव अनवार अहमद मंसूरी , छात्र क्रांति दल की नगर अध्यक्ष कु. महक लिखार , इस्माइल खान , जीशान खान , तनवीर खान, तंजीर मंसूरी , सोनू , बल्लू , राजेश अग्रवाल , आशु , शानू , सलीम , हाजी समी खान , पप्पू कुशवाहा , जाकिव , तालिव , शकील सहित बहुत से पटरी दुकानदार उपस्थित रहे।

अंतर शॉप एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे दिन लिपिक वर्ग के इवेंट हुए

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी में कारखाना खेलकूद समिति के तत्वाधान में पुरुष लिपिक वर्ग की एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसके परिणाम निम्न है- 1. आयु वर्ग 55 से 60 वर्ष 100 मी प्रथम राजेंद्र कुमार द्वितीय राजेंद्र बाबू तृतीय सुनील शर्मा 2. आयु वर्ग 50 से 55 वर्ष- प्रथम परवेज द्वितीय के के निरंजन एवं तृतीय जे के भटनागर 3. आयु वर्ग 40 से 50 वर्ष- प्रथम संत कुमार द्वितीय अजय कुमार एवं तृतीय भगवान स्वरूप मीणा 4. आयु वर्ग 18 से 30 वर्ष 100 मी- प्रथम राहुल कुमार द्वितीय रोहित कुमार एवं तृतीय अंकित रहे। 5. आयु वर्ग 30 से 40 वर्ष 100 मी- प्रथम उमेश कुमार द्वितीय राजीव कुमार एवं तृतीय विशाल स्वरूप रहे 6. आयु वर्ग 55 से 60 वर्ष गोला फेंक प्रथम एम के कनौजिया द्वितीय राशिद खान तृतीय राजेश पीटर रहे। 7. आयु वर्ग 50 से 55 वर्ष गोला फेंक प्रथम राजेश कन्नौजिया द्वितीय जगदीश सैनी एवं तृतीय के के निरंजन रहे। 8. आयु वर्ग 40 से 50 वर्ष गोला फेंक प्रथम शिव शंकर सिंह द्वितीय विकास साहू एवं तृतीय देवेंद्र सिंह रहे। 9. आयु वर्ग 30 से 40 वर्ष तवा फेक प्रथम राजीव राय द्वितीय राजीव कुमार एवं तृतीय पवन कुमार रहे। 10. आयु वर्ग 18 से 30 वर्ष तवा फेक प्रथम दीपांशु द्वितीय अंकुश कुमार एवं तृतीय आयुष दुबे रहे। इस अवसर पर खेलकूद सचिव अशोक साहू कोषाध्यक्ष स्वर्ण सिंह क्रिकेट सचिव अमित थापक , गौरव बमौते, संतोष वर्मा ,सचिन शिवहरे, अनिल जैकब, सुखदेव, गौरव आर्य, अनिल यादव, गोकुल एवं सागर तिवारी आदि उपस्थित रहे।

छात्रावास में अनियमितताएं, जांच करने पहुंचे आदिवासी सहायक आयुक्त को ग्रामीणों ने बनाया बंधक

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

बिहारपुर के. खोड़ के छात्रावास में अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों में काफी नाराजगी है. वहीं आज जांच के लिए छात्रावास पहुंचे आदिवासी सहायक आयुक्त विश्वनाथ रेड्डी को ग्रामीणों ने बंधक बना लिया है.

सहायक आयुक्त को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़ाने बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी पहुंचे हैं. ग्रामीणों का आरोप है कि छात्रावास में भारी अनियमितताएं हैं. छात्रावास का खाना खाकर एक बच्चे की तबियत भी बिगड़ी थी. छात्रावास में व्याप्त अनियमिताओं की जांच करने आदिवासी सहायक आयुक्त विश्वनाथ रेड्डी आज खोड़ के छात्रावास पहुंचे थे, जिसे ग्रामीणों ने बंधक बना लिया. सहायक आयुक्त को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़ाने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी पहुंचे हैं.

बुंदेलखंड कि बेटी के सर सजा मिस उत्तर प्रदेश का ताज, मिला गूगल रिकॉग्निशन

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। बुंदेलखंड के जालौन जिले के छोटे से गांव घुसिया की रहने वाली एक किसान की बेटी अंजली तिवारी उर्फ निशी आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं। उन्होंने अब तक 25 उपलब्धियां हासिल कर ली हैं और अब मिस उत्तर प्रदेश बन कर 26वी उपलब्धि हासिल कर ली है। गत दिनांक 23,24 व 25 सितंबर को दिल्ली में चल रहे डीके पेजेंट के प्राइड ऑफ इंडिया में अंजली ने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधुत्व किया, जिसमें वह विनर रही तथा उन्हें गूगल रिकॉग्निशन भी मिला। इस शो की ऑर्गनाइजर जिम्मी गरिमा तिवारी मैम, मैनेजर सुरभि मैम, अंशी मैम, कशिश मैम ने अंजली के हुनर की खूब सराहना की । अंजली ने मिस उत्तर प्रदेश का क्राउन अपने नाम किया तथा ट्रॉफी, सेश, ,सर्टिफिकेट से भी उन्हे नवाजा गया। मिस बुंदेलखंड के बाद ,मिस उत्तर प्रदेश बनने पर अंजली बेहद खुश हैं। यदि गूगल रिकॉग्निशन की बात करें तो अंजली को मिस प्रदेश के साथ -साथ मिस इंडिया 2023 का रिकॉग्निशन भी मिल गया है। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और उनके पिता राजकुमार तिवारी उर्फ राजू स्वामी और माता सुमन तिवारी को उनकी बेटी की इस उपलब्धि भर ढेरों शुभकामनाएं देते हैं।

चमनगंज चौकी प्रभारी के उकृष्ठ कार्यो के लिए किया गया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के अंतर्गत चमनगंज चौकी प्रभारी रविकांत गोस्वामी को अति उत्कृष्ट कार्य के लिए अखिल भारत हिन्दू महासभा द्वारा सम्मानित किया गया है।

बताते चले की चमनगंज चौकी प्रभारी रविकांत गोस्वामी एक ऊर्जावान पुलिस अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा उनके कार्यकाल में निरंतर चौकी क्षेत्र के अंतर्गत अपराधिक प्रकरणों का त्वरित निराकरण कर रहे है. चौकी प्रभारी द्वारा लगातार वारंटियो कि धरपकड़ भी कि जारही है। कुछ दिनों पूर्व ही चौकी प्रभारी श्री गोस्वामी द्वारा रेलवे लाइन पर आत्महया करने जा रही एक युवती को अपनी जान जोखिम में डालकर बचाया भी गया था जिसकी चर्चा क्षेत्र में काफी रही। इन्ही सराहनीय कार्यो को देखते हुए अखिल भारत हिन्दू महासभा कि महिला मोर्चा कि जिलाध्यक्ष स्पर्श गोस्वामी व युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष हिमांशु शर्मा के नेतृत्व में चमनगंज चौकी प्रभारी रवि कांत गोस्वामी को फूल माला पहनाकर शील्ड प्रदान कर सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया. इस सम्मान से चौकी प्रभारी ने पूरे जिले का मान बढ़ाया है। वही आज जहाँ उत्कृष्ट कार्य कर जन अपेक्षाओं पर खरा उतरने वाले पुलिसकर्मियों के चलते आज समूचा महकमा अपने गौरवान्वित महसूस कर रहा है। वही जरूरत है हमें इनसे सीख ले की अपने दायित्वों के प्रति सचेत होकर उसे और भी बेहतर ढंग से निभाने का प्रयत्न करें। वही चौकी प्रभारी रवि कांत गोस्वामी ने अपने इस सम्मान पर कहा कि वे निरंतर सर्व सहयोग से अपनी जिम्मेदारियों का सजगता के साथ निर्वहन कर रहे हैं,एवम उनके वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दिशा-निर्देश में तथा सभी पुलिस टीम के साथियों के सहयोग से वह अपने कार्यों को जिम्मेदारी के साथ कर रहे हैं. इस अवसर पर उज्जवल शर्मा सिंह, अनुज रायकवार, सौरभ वर्मा, आकाश अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, राहुल रावत, पूनम सिंह, मीना धोरा आदि लोग मौजूद रहे।

परेड के उपरांत एसएसपी एटा ने दंगा नियंत्रण उपकरणों को चलाने का अभ्यास

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटाशुक्रवार की परेड के उपरांत एसएसपी एटा ने दंगा नियंत्रण उपकरणों को चलाने का अभ्यास करा आपातकालीन स्थिति से निपटने के बताए गुर, परखी पुलिस लाइन परिसर की व्यवस्थाएं, पुलिस हॉस्पिटल पुलिस कैंटीन, जिम आदि का निरीक्षण कर सम्बंधित को दिए आवश्यक दिशा निर्देश। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री राजेश कुमार सिंह द्वारा पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउण्ड में माह के तृतीय शुक्रवार की परेड के दौरान सलामी के उपरान्त परेड का निरीक्षण कर उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों को पुलिस विभाग में ड्यूटी के दौरान ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और जनता के प्रति सदव्यवहार बनाये रखने के निर्देश दिये गये, साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा द्वारा परेड के दौरान आधुनिक वेपन्स (हथियारों) के संचालन तथा रखरखाव के बारे में भी जानकारी देते हुए दंगा नियंत्रण के बारे में जवानों को बताया कि किस तरह दंगाईयों तथा बलवाइयों को नियंत्रित किया जाएगा। साथ ही मौजूद पुलिस कर्मियों को आधुनिक हथियारों तथा दंगा रोधी यंत्र, एंटी राइट गन, टियर गैस गन को चलाने के बारे में बताया।साथ ही एसएसपी की मौजूदगी में कराए जा रहे अभ्यास के दौरान पुलिस कर्मियों और टीम सदस्यों का हौसला देखते ही बन रहा था। परेड के उपरान्त एसएसपी एटा द्वारा परिवहन शाखा, क्वार्टर गार्ड, बैरिकों, पुलिस कैंटीन, पुलिस हॉस्पिटल जिम आदि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान कुछ जगह खामियां मिलने पर प्रतिसार निरीक्षक को उनके शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। उक्त मौके पर समस्त शाखा प्रभारी तथा कर्मचारीगण, डायल 112 के कर्मचारीगण, क्यूआरटी तथा प्रतिसार निरीक्षक श्री हरपाल सिंह व अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

चोर मचाए शोर,एक साथ तीन मकानों में चोरी की घटना को दिया अंजाम

क्यूँ न लिखूँ सच -नेहा श्रीवास

झाँसी के मऊरानीपुर कोतवाली अंतर्गत आने वाले पुलिस चौकी क्षेत्र रानीपुर के मोहल्ला नई बस्ती देवरी सिंहपुरा में देर रात चोरों ने एक साथ दो चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। जिसमें दोनों ही घरों से चोर सोना चांदी और नगदी ले गए। आपको बता दें कि मोहल्ला नई बस्ती निवासी कोरी विजय कंचन पुत्र दीपचंद ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र बताया कि सुबह जब वह सो कर उठे तो उनकी पत्नी के द्वारा छत पर एक सूटकेस पड़ा हुआ देखा गया। तो वही घर में चोरी होने का शक होने पर तुरंत ही घर के अंदर कमरे में जाकर देखा तो अलमारी का फाटक खुला हुआ था। साथ ही अलमारी में रखा हुआ जेवरात एवं नगद रुपए चोरी हो गया था। चोरों के द्वारा कमरे में रखे गए सामान को तहस-नहस किया गया। मामले की जानकारी पीड़ित के द्वारा डायल 112 को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस को गृह स्वामी ने बताया कि घर में रखे हुए 95 हजार रुपए नगद सहित लाखों रुपए के सोने और चांदी के आभूषण चोर ले गए। इसके साथ ही दो मोबाइल और जमीन की रजिस्ट्री के कागज भी वह अपने साथ ले गए। इसके साथ ही मोहल्ला नई बस्ती में रहने वाली भगवत दयाल के घर पर भी चोरों के द्वारा रात में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। जिसमें गृह स्वामी ने बताया कि रात में ही पुलिस को मामले से सूचित किया गया था। रात में 112 पुलिस मौके पर पहुंची साथ ही घटनास्थल का मुआयना किया। पीड़ित ने बताया कि उसके घर में रखे हुए 10000 रुपए एवं सोना चांदी का जेवरात चोर ले गए। एक और चोरी की घटना मोहल्ला लाड़गंज में हुई।आपको बता दें कि नगर पंचायत रानीपुर में इस समय मेला जल विहार कार्यक्रम चल रहा है। जिसमें भारी संख्या में पुलिस बल नगर में मौजूद है। उसके बाद भी कहीं ना कहीं चोरों के द्वारा इस तरह की घटना को अंजाम दिया गया। जिससे यह साबित होता है कि चोर पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं। अभी हाल ही में कुछ दिनों पहले भी चोरी की एक वारदात को चोरों के द्वारा अंजाम दिया गया था। कुल मिलाकर पुलिस चौकी क्षेत्र में लगातार चोरियों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। जिससे कहीं ना कहीं आम जनमानस भयभीत रहने लगा है।

पचास वर्ष पश्चात गांव में लौटा प्रबंधक पद

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-डा. प्रदीप रघुनंदन बने अध्यक्ष और सर्वेश उपाध्याय बने प्रबंधक कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों और गणमान्य व्यक्तियों ने प्रबंधक को फूलमामालायें पहनाकर किया सम्मानित एटा, मिरहची- राष्ट्रीय इण्टर कॉलेज जिन्हैरा, मिरहची की प्रबंधक समिति का विवाद किसी से छिपा नहीं है। कॉलेज की स्थापना के बाद से ही राष्ट्रीय इण्टर कॉलेज की प्रबंध समिति विवादों और मुकद्दमेबाजी के लिये प्रख्यात रही है। कॉलेज के संस्थापक रामभरोसे लाल माहेश्वरी को अराजक तत्वों ने प्रबंधक पद से हटा दिया, तब से लेकर जीवन पर्यंत रामभरोसे लाल प्रबंधक बनने के लिये कोर्ट कचहरियों के चक्कर लगाते रहे, लेकिन वर्षों तक चले संघर्ष के बाद भी वह प्रबंधक नहीं बन पाये। अभी जिन्हैरा निवासी सर्वेश उपाध्याय ने कोर्ट कचहरी के विवादों को जीतकर, प्रबंधक पद हथिया लिया। सर्वेश के प्रबंधक बनने से स्थानीय वाशिंदों में हर्ष की लहर दौड़ गई है। राष्ट्रीय इण्टर कॉलेज की स्थापना वर्ष 1954 में हुई। वर्ष 1958 में कॉलेज के संस्थापक रामभरोसेलाल माहेश्वरी ने कॉलेज की सोसाइटी का विधिवत पंजीकरण कराया। वर्ष 1964 में कॉलेज को हाईस्कूल की मान्यता मिली। वर्ष 1973 में लाला रामभरोसे लाल माहेश्वरी के कुशल देखरेख कॉलेज को वित्तीय मान्यता मिली। वर्ष 1974 से कॉलेज की प्रबंधक समिति में विवाद पैदा हुआ, जिसके तहत एटा नगर निवासी जगदीश चंद्र कैलानी ने रामभरोसे लाल को हटाकर प्रबंधक पद छीन लिया, तब से लेकर वर्ष 1984 तक जगदीश चंद्र कैलानी कॉलेज के प्रबंधक रहे। वर्ष 1984 से 1989 तक जिला विद्यालय निरीक्षक एटा की देखरेख में कॉलेज के समस्त कार्य संपन्न हुये, वर्ष 1989 से 03 अप्रैल 2022 तक सुभाष चंद्र शर्मा कॉलेज के प्रबंधक रहे, 03 अप्रैल 2022 के पश्चात से 21 सितंबर 2023 तक पुन: जिला विद्यालय निरीक्षक की देखरेख में कॉलेज के सारे कार्य होते रहे। कॉलेज के विवादों की पड़ताल करते हुये संयुक्त शिक्षा निदेशक अलीगढ़ मंड़ल अलीगढ़ मनोज कुमार गिरि ने माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रकरण का निस्तारण करते हुये कॉलेज की प्रबंधक दुर्गेश दुबे पत्नी हरिश्चंद्र दुबे को हटाकर नगर पंचायत मिरहची की चेयरमैन लक्ष्मी उपाध्याय के पति सर्वेश उपाध्याय को शिक्षा विभाग द्वारा प्रबंधक के रूप में मान्यता प्रदान की। सर्वेश उपाध्याय के प्रबंधक बनने पर कॉलेज समिति के अध्यक्ष प्रदीप रघुनंदन, सुरेंद्र उपाध्याय उप प्रबंधक, बीरेंद्र नाथ दीक्षित कोषाध्यक्ष, कायम सिंह वर्मा उपाध्यक्ष, चंद्र शेखर उपाध्याय सदस्य, राकेश दीक्षित, कॉलेज के प्रधानाचार्य राजकुमार परमार, कार्यवाहक प्रधानाचार्य मोहनलाल सागर, वरिष्ठ लिपिक शशांक शर्मा, सेवानिवृत्त लिपिक रामेश्वर सिंह, राजेंद्र सिंह हल्दिया, डा. जे.पी. राठौर, अरविंद महाजन, शिक्षक नेता अवधेश यादव, कुलदीप कुमार, जयराम सिंह यादव, सुनील दीक्षित, संजय चौहान, रनवीर सिंह यादव आदि गणमान्य व्यक्तियों ने सर्वेश उपाध्याय के जिन्हैरा कॉलेज प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर माल्यार्पण कर पुष्प गुच्छ भेंटकर शुभकामनायें दीं। पचास वर्ष पश्चात गांव में लौटा प्रबंधक पद सम्मान कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य नागरिक नाथूराम उपाध्याय ने बताया कि भीख के रूप में लोगों से सहयोग लेने वाले संस्थापक प्रबंधक रामभरोसेलाल माहेश्वरी के प्रबंधक पद से हटने के बाद पूरे पचास वर्ष चक्कर काटने के बाद जिन्हैरा गांव में प्रबंधक का पद वापिस हुआ है।

शिवकुमार केवट द्वारा जनपद पंचायत सीईओ एवं एसडीएम एवं तहसीलदार एवं कलेक्टर एवं मुख्यमंत्री के नाम से दिया आवेदन

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

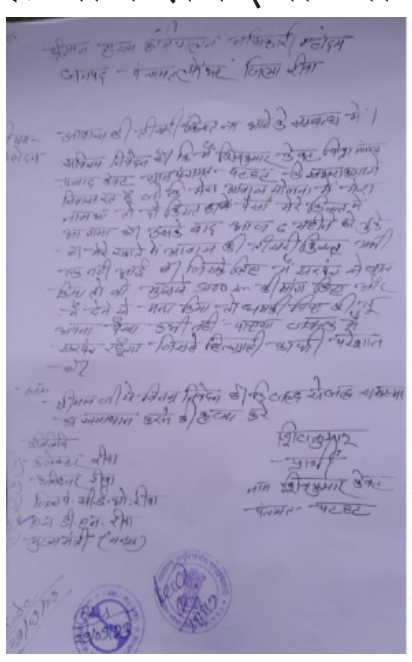

जनपद पंचायत त्योंथर के आवास योजना के अधिकारी नवीन पांडे के पास पहुंचा हितग्राही और अपनी समस्याओं को अवगत कराई नवीन पांडे द्वारा नहीं लिया गया कुछ एक्शन क्या जनपद के अधिकारियों की भी होती है मिलीभगत लोगों का कहना है कि नहीं मिल रहा है लोकेशन अगर लोकेशन नहीं मिल रहा है तो दूसरी किस्त फिर कैसे आई थी सीईओ साहब को भी अवगत कराया गया है एवं प्रताड़ित व्यक्ति शिवकुमार केवट मुख्यमंत्री के नाम से भी लिखा पत्र और कलेक्टर को भी लिखा पत्र जिला पंचायत सीईओ को भी लिखा पत्र एसडीएम को भी लिखा पत्र एवं कमिश्नर को भी लिखा पत्र क्या मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जो सभी को आवास दिलाने की बात करते हैं तो उनके ही कर्मचारियों द्वारा पैसा नहीं डाला जाता बिना घोंस लिए तो उन पर कब कार्यवाही होगी यह तो वक्त ही तय करेगा देखते हैं कि इस मैटर को कितना गंभीरता से लेते हैं हमारे जनपद पंचायत त्योंथर के सीईओ राहुल पांडे जी एवं एसडीएम पीके पांडे जी एवं जिला पंचायत सीईओ महोदय एवं कलेक्टर महोदय कब होगा इस गरीब की समस्याओं का समाधान या गरीब इसी तरह दर-दर भटकता रहेगा यह तो वक्त ही तय करेगा क्या इसी तरह गरीब दर-दर की ठोकर खाएंगे या फिर इन्हें रीवा जिले के बड़े अधिकारी न्याय दिलाएंगे यह तो वक्त ही तय करेगा

शासकीय सी. एम. राइज माध्यमिक शाला बुधवारा आष्टा कैंपस 2 में विधिक साक्षरता कार्यक्रम संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच
दिनेश परमार

आष्टा- शासकीय सी एम राइज माध्यमिक शाला बुधवारा आष्टा कैंपस 2 में विधिक साक्षरता कार्यक्रम के अवसर पर सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई इसके पश्चात संस्था प्रधान जितेंद्र कुमार गुठानिया द्वारा उपस्थित अतिथियों का पुष्प मालाओं के द्वारा स्वागत किया। आज बाल यौन शोषण के बढ़ते अपराध के तहत आष्टा न्यायालय जज श्रीमती रिचा रजावत ने विद्यालय में उपस्थित होकर बाल यौन शोषण के बढ़ते अपराध के विषय मे छात्र-छात्राओं को समझाया और चर्चा की इन मामलों में किस प्रकार से सावधानी बरतना है धारा का क्या प्रावधान और इसकी शिकायत कहां पर की जा सकती है इस पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई वहीं बीआर सी सी तरुण बैरागी ने बढ़ते अपराध के मामलों में छात्र-छात्राओं को सजग रहते हुए अपने जीवन में शिक्षा के महत्व को समझाया बैरागी में ने छात्र और छात्रों को अपने जीवन में किस प्रकार से लक्ष्य हासिल करना है इस विषय पर विस्तृत रूप से चर्चा की बाल एवं शोषण के विषय में विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बच्ची के जन्म से लेकर यौन शोषण के मामले को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया ।

इस अवसर पर संस्था के प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार गुठानिया, श्री रजनीकार माहेश्वरी जन शिक्षक , कासिम खान ,राजीव सारसिया, हेमंत मेवाड़ा, संघमित्रा धांसू ,संतोष वर्मा ,नीरज ठाकुर, ममता मालवीय, नीतू चौरसिया , किश्वर जहां स्वाति सिंगारिया पूजा विश्वकर्मा, श्वेता पांडे ,रफत जहां ,गजराज सिंह ठाकुर, रीना मेवाड़ा, सुषमा चावडा सतीश यादव ,अनिल परमाल, उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन हेमंत मेवाड़ा द्वारा किया गया । अंतराष्ट्रीय वैश्य महिला महासम्मेलन की महिलाओं द्वारा भगवान गजानंद को पूजन अर्चन कर भोग लगाया काछीपूरा कुशवाहा समाज के राधा कृष्ण मंदिर पर राधाकृष्ण एवं शिव परिवार की प्राचीन मूर्तियां हटाई गई, जीर्णोद्वार का कार्य प्रारंभ

हादसे में बाइक सवार पैथोलॉजी कर्मचारी की मौत ब्लड का लेने जा रहा था सैंपल परिवार मैं मचा कोहराम

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

हादसे में बाइक सवार पैथोलॉजी कर्मचारी की मौत होने पर परिवार में मातम छा गया कोतवाली कायमगंज के ग्राम अताईपुर कोहना निवासी वीरेंद्र सिंह के 21 वर्षीय गोविंद सिंह राजपूत की हादसे में मौत हो गई गोविंद कायमगंज पानी टंकी के निकट कृष्णा पैथोलॉजी पर नौकरी करता था वह दोपहर को ब्लड का सैंपल लेने फैजबाग की ओर जा रहा था जब गोविंद टेडीकोन पेट्रोल पंप के निकट से गुजर रहा था उसी दौरान किसी वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गया 112 नंबर पुलिस ने घायल गोविंद को सीएचसी कायमगंज पहुंचाया डॉक्टर विपिन कुमार ने युवक को मृत घोषित कर दिया हादसे की जानकारी होते ही परिवार में मातम छा गया अस्पताल में परिवार की महिलाएं बुरी तरह बिलखती रही दरोगा शिवकुमार यादव ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया अविवाहित गोविंद चार भाइयों में तीसरे नंबर का था

जिलाधिकारी ने किया जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण, बीमार वृद्ध मरीज से जमीन में बैठकर ली स्वास्थ्य संबंधित जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी में दिव्यांग, बुजुर्ग व चलने फिरने में असमर्थ मरीजों का प्राथमिकता के आधार पर इलाज किए जाने के दिए निर्देश। चिकित्सकों द्वारा बाहर की दवाई लिखने पर होगी कार्यवाही, अस्पताल में उपलब्ध दवाएं ही मरीज को दी जाएं। दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए जाने के दिन का चिकित्सालय में किया जाए डिस्प्ले ताकि लोगों को असुविधा न हो। जिला चिकित्सालय में ऑनलाइन पर्चा बनाए जाने की जानकारी जगह-जगह डिस्प्ले किए जाने के दिए निर्देश। एक्स-रे करने के दौरान रजिस्टर में मरीज का मोबाइल दर्ज न करने पर नाराजगी, मरीज का मोबाइल नंबर अवश्य दर्ज करें। औचक निरीक्षण में जिलाधिकारी ने किया दवा वितरण काउंटर का निरीक्षण, ली दवाओं की उपलब्धता की जानकारी। जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार द्वारा ने जिला चिकित्सालय झाँसी का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिला अस्पताल का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने उपस्थित चिकित्सकों से कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की प्रबल इच्छा है कि स्वास्थ्य सेवाएं बिल्कुल जमीनी स्तर तक पहुंचे, समाज के सबसे गरीब व्यक्ति का बेहतर से बेहतर इलाज हो। उसे इलाज के दौरान किसी भी समस्या का सामना ना करना पड़े उन्होंने कहा कि आज औचक निरीक्षण का उद्देश्य यही है कि हर व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। जिला अस्पताल के औचक निरीक्षण में जिलाधिकारी श्री रविंद्र कुमार ने जमीन पर बैठे वृद्ध मरीज से जमीन पर बैठकर स्वास्थ्य संबंधित जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों से कहा कि दिव्यांग,वृद्ध एवं चलने फिरने में असमर्थ मरीज का प्राथमिकता के आधार पर इलाज किया जाना सुनिश्चित किया जाए, इसके अतिरिक्त उन्हें चश्मा आदि भी प्राथमिकता से बनाया जाए। उन्हें किसी भी तरह की कोई समस्या ना हो इसे भी सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान नेत्र रोग कक्ष एवं हड्डी रोग कक्ष के बाहर देखा गया कि कक्ष के बाहर बहुत अधिक संख्या में लोग अपने नेत्र एवं हड्डी रोग के सम्बन्ध में इलाज कराने हेतु आये हैं। निर्देश दिए गये कि आगामी सभी सम्पूर्ण समाधान दिवस में नेत्र रोग के सम्बन्ध मे कैम्प आयोजित किये जाए, ताकि मरीजों को तहसील दिवस के दौरान चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध हो सके। नेत्र रोग कक्ष में जाकर जिलाधिकारी ने नेत्र चिकित्सकों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि वृद्ध, दिव्यांग और ऐसे व्यक्ति जो चलने फैलने में असमर्थ हैं उनके चश्मा तत्काल उन्हें उपलब्ध करा दिए जाएं, उन्हें बार-बार अस्पताल के चक्कर न लगाना पड़े। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन रोगों का इलाज कराने हेतु अधिक संख्या में लोग आते हैं, उनके कक्षों के बाहर होम गार्ड लगाकर आने वाले पुरुष एवं महिलाओं को दो पंक्ति में पंक्तिबद्ध किया जाय।इसके उपरान्त दन्त रोग कक्ष एवं मेल सर्जिकल वार्ड का निरीक्षण किया एवं वहां प्रदान की जा रही चिकित्सीय सुविधाओं को देखा। मेल सर्जिकल वार्ड में भर्ती मरीजों से उन्होंने वार्ता की, उन्हें दवायें एवं खाना नि:शुल्क दिया जा रहा है। साथ ही चिकित्सक उन्हें देखने के लिए भी आते हैं। दन्त रोग कक्ष एवं मेल सर्जिकल वार्ड के निरीक्षण के उपरान्त उन्होंने पाकशाला को देखा। पाकशाला में भोजन तैयार किया जा रहा था। अस्पताल के निरीक्षण के दौरान मरीजों द्वारा बताया गया कि उसको बाहर की दवाई लिखी गई है। उन्होंने मरीज को लिखी गई दवाई का पर्चा देखा। निर्धारित पर्चा पर दवाई न लिखी होने के कारण उन्होंने अप्रसन्नता व्यक्त की और स्पष्ट निर्देश दिए कि बाहर की दवाई लिखी जाने पर संबंधित चिकित्सक की विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, उन्होंने ताकीद करते हुए कहा कि अस्पताल में उपलब्ध दबाए ही मरीजों को लिखा जाना सुनिश्चित किया जाए। यह भी निर्देश दिए कि यदि चिकित्सालय में किसी बीमारी/रोग की दवाई उपलब्ध हो, तो उसे उस रोग/बीमारी से सम्बन्धित अन्य दवा न लिखी जाए। दवायें निर्धारित पर्चे पर ही लिखी जाए एवं उस पर सम्बन्धित डॉक्टर के द्वारा अपने हस्ताक्षर भी किये जायें। विस्तृत निरीक्षण करने के उपरान्त उन्होंने प्रमुख अधीक्षक, जिला चिकित्सालय डॉ पी के कटियार से डॉक्टर की नियमित उपस्थित के सम्बन्ध में जानकारी ली। प्रमुख अधीक्षक द्वारा बताया गया कि डॉक्टर नियमित रूप से उपस्थित होते हैं। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुधाकर पांडेय, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ पी के कटियार सहित अन्य चिकित्सक एवं बड़ी संख्या में मरीज व तीमारदार उपस्थित रहे।

साहब बिजौली चौकी में तैनात सिपाही मोबाइल वापस नहीं कर रहा ,पीड़ित युवक ने सिपाही पर लगाए गंभीर आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। एक युवक ने बिजौली में तैनात सिपाही पर गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया। प्रार्थना पत्र में पीड़ित रामसिंह पुत्र हरीमोहन निवासी बिजौली चौकी के पास, चौकी बिजौली थाना प्रेमनगर, जिला झाँसी का निवासी है। पीड़ित ने बताया कि बजाज फाइनेंस से दिनेश प्रसाद के कार्ड से वीवो कम्पनी का मोबाइल वी. 20 जिसका आई. एम. ई. आई. संख्या-868326056025950 दूसरा आई. एम. ई. आई संख्या 868326056025942 दिनांक 27 मार्च 21 को रोशनी मोबाइल शॉप शंकर जी के मंदिर के सामने रोड बिजौली से क्रय किया था। पीड़ित का पारिवारिक झगड़ा होने बिजौली चौकी पुलिस द्वारा पीड़ित के ऊपर धारा 107/116 में चालान कर जेल भिजवा दिया। पीड़ित का चालान दिनांक 24 सितम्बर को किया उसी दिन सिपाही सुनील कुमार ने पीड़ित का उक्त वीवो वी. 20 मोबाइल ले लिया था। पीड़ित जब जमानत कराकर वापिस आया व चौकी में तैनात उक्त सिपाही से अपना मोबाइल व पैसा मांगा तो उक्त सिपाही ने पीड़ित को मोबाइल देने से मना कर दिया। और कहा अगर पुनः चौकी मोबाइल मांगने आये तो झूठे मुकदमे में फ़साने कि धमकी दी। पीड़ित ने प्रार्थना पत्र में उक्त सिपाही से मोबाइल वापस कराने कि मांग करते हुए न्याय कि बात कही।

एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने के लिए भारत सरकार के प्रधानमंत्री एवं मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौपा

क्यूँ न लिखूँ सच
दिनेश परमार

आष्टा- आष्टा जिला सीहोर म.प्र एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने के लिए भारत सरकार के प्रधानमंत्री एवं मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सोपा

अभिभाषक संघ आष्टा ने एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने के लिए भारत सरकार के प्रधानमंत्री एवं मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंप। अनुविभागीय अधिकारी आष्टा को ज्ञापन सौंपा जिसमें मांग की गई की वर्तमान में अधिवक्ताओं के ऊपर हमले हो रहे हैं उनकी जान ली जा रही है अपराधियों एवं पुलिस के द्वारा भी अधिवक्ताओं के साथ मारपीट की जा रही है इसलिए शीघ्र ही एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में अभिभाषक संघ के अध्यक्ष कृपाल सिंह ठाकुर, सचिव कुलदीप शर्मा,सह सचिव बाबूलाल परमार, कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र भूतिया, निलेश कुमार शर्मा, दिनेश परमार,भूपेंद्र राणा ,रामेश्वर पाल,कमल सिंह कारजा अभिभाषक संघ के सभी सदस्य गण उपस्थित रहे।

राजश्री प्राइवेट आईटीआई कालेज में सरदार भगत सिंह जयंती मनाई गई

क्यूँ न लिखूँ सच

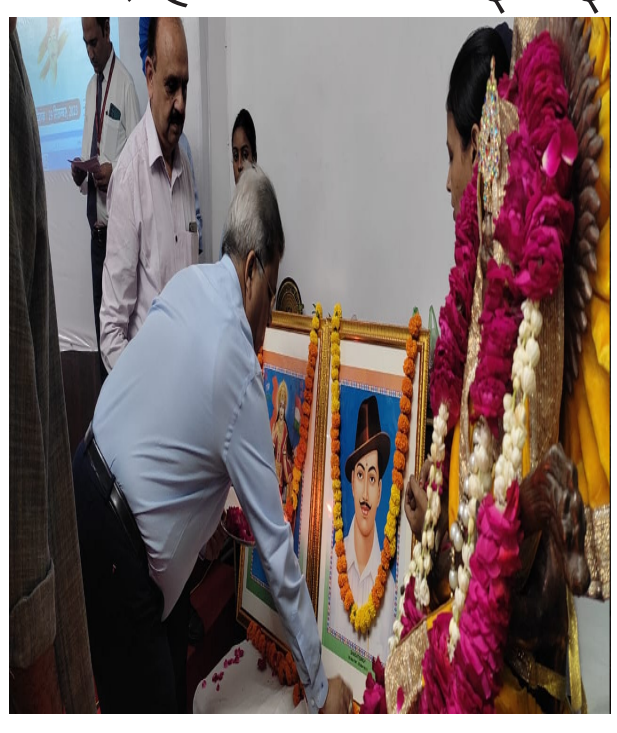

रिठौरा।राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी प्राइवेट आईटीआई बरेली में सरदार भगत सिंह की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धर्मेंद्र भारत, विभाग प्रचारक, बरेली एवं संस्थान के चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने शहीदे आजम सरदार भगत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि धर्मेंद्र भारत ने अपने भाषण में कहा कि वर्तमान परिदृश्य में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए निजी हितों को त्याग कर नौजवानों को राष्ट्रवाद की भावना को आत्मसात करना होगा। संस्थान के चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए सभी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन के माध्यम से महापुरुषों के जीवन आदर्शो पर चलना सीखना होगा। इस अवसर पर भोजीपुरा खंड के संघचालक प्रहलाद सिंह, बहेड़ी के जिला प्रचारक इंजीनियर लाखन सिंह, भोजीपुरा खंड प्रचारक पुनीत, खंड कार्यवाह हरीश, बहेड़ी के जिला विद्यार्थी प्रमुख ज्ञान प्रकाश, डीन एकेडमिक्स डॉ0 साकेत अग्रवाल, निदेशक शोध एवं विकास डॉ0 पंकज कुमार शर्मा, प्राचार्य डॉ मुकेश पाल गंगवार का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर स्वतंत्र गुप्ता ने किया।

रिठौरा से पचपन सदस्यीय जत्था नौ देवी दर्शनों को हुआ रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। नगर पंचायत रिठौरा के मोहल्ला राजीव नगर से दयाराम कश्यप के नेतृत्व में पचपन सदस्यीय जत्था 11वीं वार नैना देवी,चिन्तपूर्ण देवी, कांगड़ा देवी, चामुंडा देवी,वैष्णो देवी, शाकुम्भारी देवी, ज्वाला देवी, ऋषिकेश, मनसा देवी, चण्डी देवी, माता कौल कण्डौली, देवी ताल जालंधर,मार कन्डेशवर,शिव खोड़ी, हरिद्वार, भाखड़ा नांगल बांध सहित तमाम क्षेत्र के दर्शन के लिए शुक्रवार शाम को बस द्वारा निवर्तमान चेयरमैन राकेश कुमार उर्फ आर के कश्यप,सभासद कमलेश गंगवार पूर्व सभासद पप्पू कश्यप, उमाकांत ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । यात्रा में मास्टर रामस्वरूप, रामपाल, शिवराज कश्यप,धीरज गंगवार,हरप्रसाद कश्यप सहित तमाम श्रृदालु मौजूद रहे।

Is there difficulty in breathing? Is this a sign of heart attack? Pay attention to these symptoms also

Millions of people die every year due to cardiovascular diseases, especially heart attack. Till a few decades ago, heart diseases were known to be a problem associated with aging, however, now even younger people are becoming victims of it. Doctors say, due to the way our lifestyle and lifestyle problems are increasing, the risk of these serious diseases is increasing even in young people. All people should keep taking measures to keep the heart healthy. It is important

for everyone to know about the symptoms of heart attack. World Heart Day is celebrated every year on 29 September to alert people about the increasing global risks of heart diseases and to make them aware about prevention methods. Doctors say that it is very important to know about the symptoms of heart attack and keep taking measures to prevent it. Know about heart attack and its signs - Heart attack occurs due to obstruction of blood flow in the heart muscle. Heart attack can occur with or without common symptoms like chest pain. Apart from this, some people may also experience other symptoms including chest tightness, shoulder and jaw pain along with sweating and fatigue. Let us know what are the other signs of heart attack which require serious attention. Problem of Difficulty in Breathing: There can be many reasons for difficulty in breathing, but if you often have this problem then be careful about it, in some situations it can also be a sign of heart attack. Doctors say there is a close connection between breathing and your heart's ability to effectively pump blood. If your heart can't pump blood well, you may feel short of breath. This is also seen as a sign of heart attack. Feeling extremely tired – You may feel tired due to overwork, lack of sleep. It is considered a major sign of heart attack in women. According to the American Heart Association, if you are experiencing chest pain, jaw or left arm pain along with fatigue, then you need to pay serious attention to such signs. Feeling tired because the heart has to work extra hard to pump. Excessive sweating – Sweating more than usual, especially if you are not exercising or are not physically active, can be an early warning sign of heart problems. Could. Your heart has to work harder to pump blood through clogged arteries, so your body sweats more to keep your body temperature down. If you are experiencing cold sweat or clammy skin along with other symptoms, take it seriously and consult a doctor immediately.

Lal Bahadur Shastri's death is a mystery, know things related to his life on his birth anniversary

The life of Lal Bahadur Shastri, the second Prime Minister of India, is both ideal and full of struggle. When the first Prime Minister Jawaharlal Nehru died, the big question that came up was who would take over the power of India? At that time, the development of the country was a challenge and many stalwarts were standing in line to come to power. Till that time Lal Bahadur Shastri was known as the former Home Minister of India. Then she got the post of Prime Minister of the country and did better work during her tenure. She took part in the freedom struggle for the independence of the country and even left her studies to fulfill her dream of independence. Went to jail for the first time at the age of 17. Many stories related to his simplicity and life are quite inspiring, but the end of his life was very mysterious. The death of Lal Bahadur Shastri still remains a mystery, under what circumstances he died and why this mystery has not been revealed till date. Let us know some interesting things related to the life of the country's second Prime Minister Lal Bahadur Shastri. Biography of Lal Bahadur Shastri- Mahatma Gandhi's birthday is celebrated on 2nd October. However, Lal Bahadur Shastri's birthday is also on this day. Lal Bahadur Shastri was born on 2 October 1904 in Mughalsarai, Uttar Pradesh. He was called Nanhe in his childhood. When Shastri was just one and a half years old, his father passed away. After which he was sent to live with his uncle. During this time, he used to walk miles to study. When Shastri was 16 years old, he decided to join the freedom struggle and left his studies. At the age of 17, he was arrested during the independence movement and sent to jail, but was freed because he was a minor. Stories of his humility- When Lal Bahadur Shastri ji was the Prime Minister, he went on a tour of some state, but due to some reasons the tour had to be canceled at the last moment. The Chief Minister of the state told Shastri ji that first class arrangements were being made for his stay, on this Shastri ji told him that he was a third class person so there was no need for first class management. Shastri ji's honesty-Pt. Lal Bahadur Shastri became the Prime Minister of India but his life was like that of an ordinary person. He used to support the entire family with the help of allowances and salary received during his tenure. Once his son used the car of the Prime Minister's office, on which Shastri ji paid the full amount into the government account for the personal use of the car. It is surprising that the Prime Minister of the country neither had his own house nor any property. When Lal Bahadur Shastri died, he did not have land or property but a loan, which he had taken from the government to buy a Fiat car after becoming the Prime Minister. The family had to repay the loan, for which Shastri ji's pension was spent. Lal Bahadur Shastri's death remains a mystery - Shastri ji's death is a mystery. Lal Bahadur Shastri died on 11 January 1966 in Tashkent, Uzbekistan. Shastri ji had gone to meet Pakistani President Ayub Khan in Tashkent to reach an agreement on the situation after the India-Pakistan war. However, he died suddenly a few hours after meeting the Pakistani President. It is said that his health was absolutely fine. However, the cause of death was said to be heart attack. When his mortal remains were brought to India, according to eyewitnesses, there were wound marks on Shastri ji's body. But the Raj Narayan Inquiry Committee that sat to investigate his death did not give any valid results.

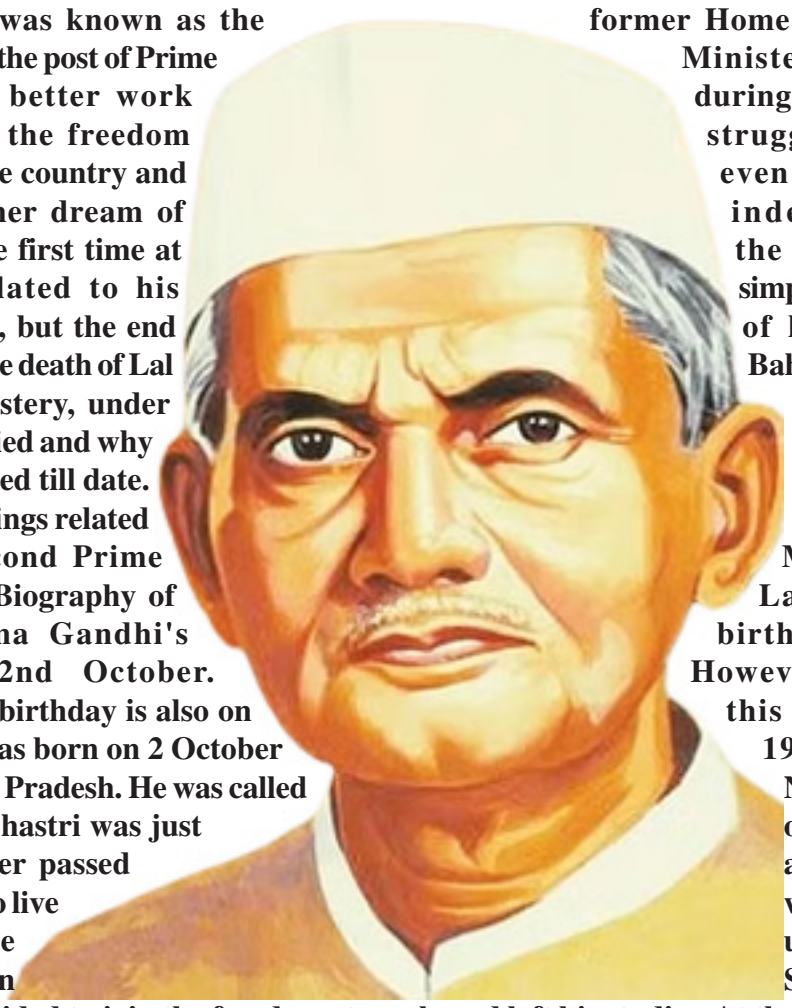

If you want to get relief from sinus infection, then include these healthy foods in your diet.

Foods For Sinus Relief Sinus is a disease related to the nose. This problem occurs due to allergy, fungal infection etc. Due to which blocked nose causes difficulty in breathing or headache etc. Today in this article we will tell you about some foods which can help in providing relief from sinus. Ginger is helpful in providing relief from sinus. Citrus fruits can help control sinus congestion. Ginger helps in thinning mucus. Sinus problems are becoming common in the changing seasons. In sinus infection, people suddenly get cold or often have headache and also have difficulty in breathing. If you have this problem continuously, then do not take it lightly. To prevent sinus, you can include some foods in your diet, which can give you relief from this infection. So let us know about these foods. Garlic- Garlic has many medicinal properties, which help in removing many problems of the body. If you are troubled by sinus problems, garlic can help you. It has anti-inflammatory and antibacterial properties, which is helpful in controlling sinus, so you must use garlic in your food. Ginger- Ginger is helpful in providing relief from sinus. It helps to thin the mucus, making it easier to drain from the nose and throat. You can use ginger in many ways in your diet. Tea, soup or vegetables can enhance their taste by using ginger. Citrus fruits – Citrus fruits like oranges and lemons are rich in Vitamin C, which strengthens the immune system, the properties present in them help in reducing inflammation in the body. Help, which can provide relief from sinus. Apart from this, Vitamin C can help you in protecting yourself from many problems. Honey- We all know how beneficial honey is for health. It is a natural antibiotic, which helps fight infection and reduce inflammation in the body. Honey can prove helpful in controlling sore throat and cough caused due to sinus congestion, for this you can drink lemon juice mixed with honey.

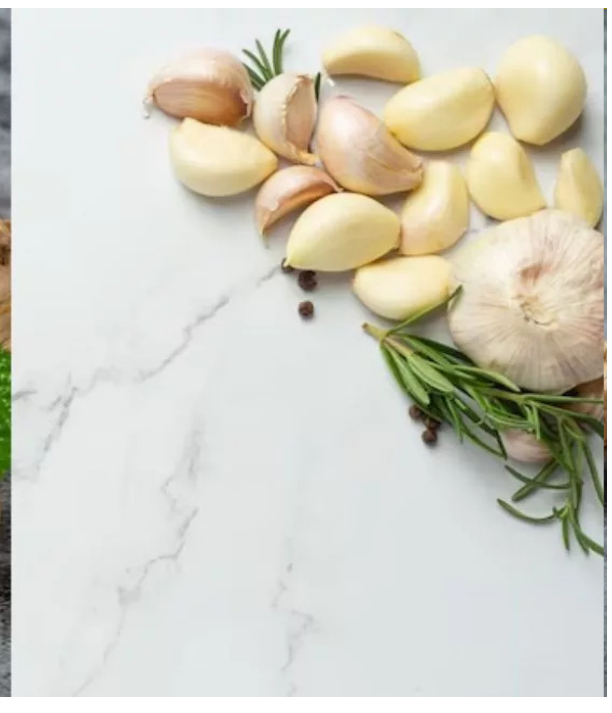

Everyone is crazy about these 10 pictures of Mouni Roy, the sixth photo created a stir

Mouni Roy started her film career in 2011 with a Punjabi romantic movie Hero Hitler in Love. Mouni also worked with actor Ranbir Kapoor in Ayan Mukherjee's film Brahmastra.

She is going to be seen in many big projects in the coming days also. Let us tell you that Mouni Rai has been working on the small screen since 2007. Mouni, who made her mark with the popular small screen TV show Naagin, celebrated her 38th birthday on Thursday. Mouni, who debuted on the big screen in Bollywood with Khiladi Akshay Kumar in the movie Gold, is a well-known name today. However, Mouni Roy started her film career in 2011 with a Punjabi romantic movie hero. It was from Hitler in Love. Mouni also worked with actor Ranbir Kapoor in Ayan Mukherjee's film Brahmastra. She is going to be seen in many big projects in the coming days also. Let us tell you that Mouni Rai has been working on the small screen since 2007. She is very active on Instagram - Apart from films and small screen, Mouni is also very active on her Instagram. Mouni often shares her bold and hot pictures on her Instagram account, due to which she often remains a topic of discussion among her fans. Let us show you 10 such viral pictures of Mouni, in which her bold style made a lot of headlines.

Rasha Thadani's plan B is ready before her acting debut, Raveena Tandon told what her daughter will do

Raveena Tandon Daughter Rasha Thadani Bollywood actress Raveena Tandon has ruled the industry for a long time with her acting. Now actress's daughter Rasha Thadani is also going to enter Bollywood soon. In such a situation, the actress has talked about Rasha's debut. She has told what she will do if she is not successful in acting. Rasha Thadani is going to step into Bollywood soon. Raveena Tandon spoke about Rasha Thadani and said that the plan is ready for her daughter. Bollywood actress Raveena Tandon has made millions of fans crazy with her acting. Even today, for some reason or the other, she remains a topic of discussion, sometimes on social media and sometimes in front of the camera. After Raveena Tandon, now her beautiful daughter Rasha Thadani is going to enter the industry. In such a situation, the actress has now also talked about her daughter's Plan B. Raveena Tandon recently told during an interview that if Rasha is not successful in films, then how she has prepared Plan B for her daughter. . Soon Rasha is all set to debut in Bollywood, following the footsteps of her mother Raveena. Husband Anil helped Raveena Tandon - During an interview with Leharn Retro, the actress gave an example of giving importance to her financial independence. He told that 'after the age of 16, I never took money from my father'. Talking further, the actress said, 'Even with Anil, I can proudly say that I never asked for money from him. However, to be honest, as far as investments are concerned, it was always my father who looked after everything. Because I was working and didn't want to bother myself with it. Later, Anil has always helped me in handling my financial things. This is Rasha's Plan B- In such a situation, the actress applies the same principle to all her children. Talking about this he said, 'Of course, Rasha can continue her education. Along with this, she wants to make her career in acting. Acting is his passion, his love, his dedication. Tomorrow, God forbid, if she is not successful in acting, she will probably stand on her feet and get a job somewhere. Let us tell you, Rasha will soon step into Bollywood with Abhishek Kapoor's next film. Ajay Devgan's nephew Aman Devgan can also be seen in the film.

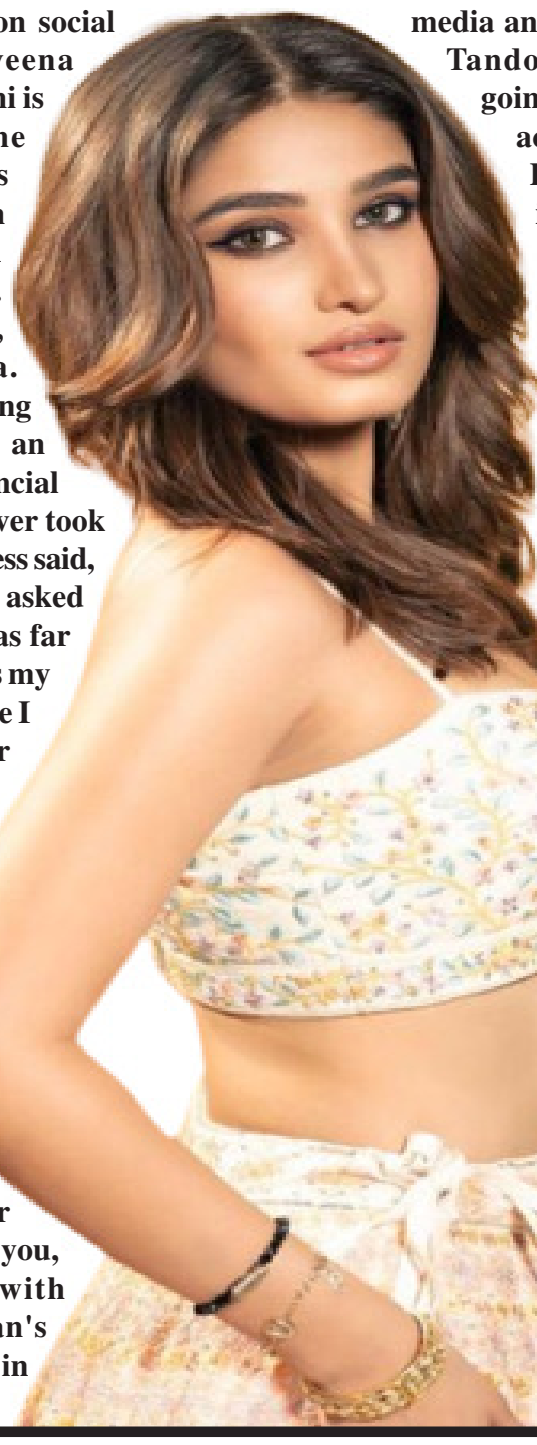

Sonam Kapoor will start work on her film 'Battle for Bitora' next year, said - she is a favorite character...

Actress Sonam Kapoor has worked in many hit Bollywood films. Now soon she is going to give another great film to the audience. Actually, actress Sonam Kapoor, who made her mark in the industry with films like 'Raanjhanaa', 'Neerja', 'Prem Ratan Dhan Payo' and other films, is going to work on a good script. He revealed that he is ready to start work on his

next feature film 'Battle for Bitora' in 2024. She also shared many more details about the film. In a recent interview, Sonam Kapoor revealed that she will start work on her next feature film 'Battle for Bitora' in 2024. The actress said, "Finally I am going to do Battle for Bitora next year. Going to Bitora." The film is an adaptation of Anuja Chauhan's novel of the same name. Published in 2010, the book tells the story of an animation expert who contests against a former royal family in Bitora. Sonam added, "It's a beloved character, but I think a lot of girls will read the book. I think a lot of girls, maybe from our generation, know about the book, but I don't think the younger generation knows the character that much, so we will benefit from that. Giving more details about the film, the actress said , "The script is ready. We are looking for an actor and the director is also not decided yet, only the producer and the lead actress have been selected. This film will be made under the banner of Anil Kapoor Films Company. Sonam's sister producer Rhea Kapoor reportedly bought the rights to the book of the same name in 2010. According to reports, Pakistani actor Fawad Khan was initially set to play the lead role in the story. He was last seen in the Hindi film 'Ae Dil Hai Mushkil', after which the actor had to face trouble regarding his identity as a Pakistani actor. Sonam said that the team is looking for another actor for the project.

Till now only six films could cross the Rs 1000 crore mark, this movie took the least time.

In the history of Indian cinema, very few films have been made which have made their place in the Rs 1000 crore club. It started in Bollywood with the film Dangal. At the same time, Bahubali 2 started this club in South Industry. In such a situation, today we are going to tell you how much time it took for these films to join the Rs 1000 crore club. Baahubali 2- Bahubali 2 is the biggest hit film of Prabhas' career. This film, directed by SS Rajamouli, was very much liked in South India as well as in the Hindi belt. Prabhas became a pan India star with this film. The craze of Bahubali 2 was so much at that time that the film had made it to the Rs 1000 crore club in just 10 days.RRR The film RRR directed by SS Rajamouli is also at second place in the list. Ram Charan and NTR Jr played lead roles in the film. Along with India, the film was also a huge hit abroad. The film was successful in hoisting its flag at the Oscars. It took 16 days for this film to earn Rs 1000 crore. KGF 2- KGF 2, directed by Prashant Neel, broke all records at the box office after its release. The film was a huge success in the Hindi belt. This film had collected more than 1200 crores worldwide. It took 16 days for the film to reach the Rs 1000 crore club. Shahrukh Khan's Jawan is making bumper collections these days. The film has made huge collections at the box office so far. This is King Khan's second film of this year, which has made a place in the Rs 1000 crore club. The film has achieved this milestone in 18 days. Pathan has done this feat before. Pathan-Shahrukh Khan returned to the big screen after 4 years with the film Pathan. Crowds of fans had gathered in theaters to see him in action avatar. This film started the 500 crore club in Hindi language. At the same time, the film took 27 days to earn Rs 1000 crore worldwide.